



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

दो 28] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 11, 1987/ आषाढ़ 20, 1909  
No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 11, 1987/ASADHA 20, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की वाली है जिससे कि यह भाग संकलन के लिए में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक आदेश और अधिसूचनाएँ  
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than  
the Ministry of Defence)

कार्यालय और लोक शिकायत तथा पंजीय मंत्रालय

(कार्यालय और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

का. ना. 1751 :—केन्द्रीय सरकार भारतकारी श्री  
विजयेन्द्र कियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1985 (1985 का 31)  
की द्वारा 11 की उपधारा (1) के परस्तक के माथ पठित द्वारा  
18 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,  
महाराष्ट्र राज्य सरकार से परामर्श करने के पश्चात्, श्री. एस. जी.  
सामन, अधिकारी, मुख्य उच्च न्यायालय, महाराष्ट्र को, उक्त अधिनियम  
के अधीन पुणे, महाराष्ट्र में मानविहन न्यायालय में विनोद विशेष पुलिस  
स्थापन द्वारा संस्थित मामला प्रार. सं. 6/83 ए. प्रार. यू.-III  
(मेवानिवृत्त जनरल ए. एस. वैद्य की हृत्य) का मंचन करते के  
लिए, विशेष लोक अधिकारिक नियुक्त करते हैं।

[संक्ष. 225/4/87-ए. वी. डी. (II)]  
के. ना. गोपाल राव, अवार सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, P.G. & PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1751—In exercise of the powers conferred by sub-  
section (1) of section 18 read with the proviso to sub-  
section (1) of section 11 of the Terrorist and Disruptive

Activities (Prevention) Act, 1985 (31 of 1985), the Central  
Government after consultation with the State Government  
of Maharashtra, hereby appoints Shri S. C. Samant Advocate,  
Bombay High Court, Maharashtra, as Special Public Prosecutor  
for conducting case RC-6/86(SIU-III (assassination of  
Retired General A.S. Vaidya) instituted by the Delhi  
Special Police Establishment in the Designated Court at  
Pune, Maharashtra under the said Act.

[No. 225/4/87-AVD. II]

K. R. GOPALA RAO, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. ना. 1752 :—राज्यालय, केन्द्रीय सिविल सेवा (कार्यकारण,  
नियंत्रण और प्रशील) नियम, 1963 के नियम 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों  
का प्रयोग करते हुए श्रीर पूर्णर्व कार्यालय और प्रशासनिक सुधार विभाग  
द्वारा जारी की गई श्रीर मारा के द्वारा, तारीख 29 नवम्बर, 1975  
में प्रकाशित अधिकृता मंदिर का. ना. 5041, द्वारा 11 नवम्बर,  
1975 के द्वारा 2 को अधिकारित करते हुए तथा मारीय लेका चरीका  
श्रीर लेका विभाग में हाईर अधिकारी के नियंत्रण में भारत के नियंत्रक  
मन्त्रालया परोक्षक से परामर्श करने के पश्चात् नियंत्रण देते हैं कि इस प्रावेद  
के जारी होने की तारीख से संघ के प्रधीन सभी सिविल पदों को, ऐसे  
अपवादों के अधीन दस्ते हुए, विन्हें सरकार समय-समय पर किसी

संशारण या विशेष भावेण द्वारा करे, निम्नलिखित रूप में वर्णित किया जाएगा :

क्र. सं.	पदों का वर्णन	पदों का वर्गीकरण
1.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतनमान का अधिकतम 4000 रु. से कम न हो।	समूह क
2.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतनमान का अधिकतम 2900 रु. से कम न हो, किन्तु 4000 रु. से कम हो।	समूह अ
3.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतन समूह अ मान का अधिकतम 1150/- रु. से ऊपर, किन्तु 2900 रु. से कम हो।	समूह अ
4.	ऐसा केन्द्रीय सिविल पद, जिसका वेतन या वेतन- मान का अधिकतम 1150 रु. या उससे कम हो।	समूह अ

परस्तु 1 अक्टूबर, 1986 को या उसके पश्चात् विधान कार्डों में विनियित वृद्धियों के रूप में सुलिल पदों का वर्गीकरण यहां हीमें, जो उस कार्ड के पदों का है, जिसमें इन्हें जोड़ा जाता है।

टिप्पणी :—इस भावेण के प्रयोगन के लिए—

(i) "वेतन" का वही अर्थ हीगा जो मूल नियम 9(21)(क)(1) में उसे दिया गया है।

(ii) किसी पद के वेतन या वेतनमान से केन्द्रीय विविल में (पुनरीक्षित वेतन) संशोधन नियम, 1987 द्वारा यथा संशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 1988 के अधीन विहित वेतन या वेतनमान अनिवार्य है।

[सं. 13012/2/87-स्था. (ध)]  
के. एस. घार कृष्णराव, उप सचिव

New Delhi, the 30th June, 1987

S. O. 1752.—In exercise of the powers conferred by Rule 6 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 and in supersession of para 2 of the Notification No.S.O.5041 dated the 11th November, 1975, Published in the Gazette of India dated the 29th November, 1975, issued by the late Deptt. of Personnel, Administrative Reforms and after consultation with the Comptroller & Auditor General of India in relation to the persons serving in the I.I.I.II Audit & Accounts Department, the President hereby directs that with effect from the date of issue of this order, all Civil posts under the Union shall, subject to such exceptions as Government may be any general or special order make from time to time, be classified as follows:

Sl. No.	Description of posts	Classification of posts
1.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 4000/-	Group A
2.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 2900/- but less than Rs. 4000/-	Group B
3.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of over Rs. 1150/- but less than Rs. 2900/-	Group C
4.	A Central Civil post carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is Rs. 1150/- or less	Group D

Provided that posts created on or after 1st Jan., 1986 as specific additions to existing cadres shall have the same classification as posts in the cadre to which they are added.

Note.—For the purpose of this order :—

(i) 'Pay' has the same meaning assigned to it in FR 9(21)(a)(i).

(ii) The pay or scale of pay of a post means the pay or scale of pay prescribed under the Central Civil Services (Revised Pay) Rules 1986 as amended by Central Civil Services (Revised Pay) Amendment Rules, 1987.

[No. 13012/2/87-Estt. (D)]

K. S. R. KRISHNA RAO, Dy. Secy.

### वित्त संचालन

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1987

(आरकर)

का. घा 1751.—आपकर प्रतिनिधि, 1961 (1961 का 43) को द्वारा 10 की उत्तराय (23C) के वाइ (4) द्वारा प्रदत्त वर्गितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रायार उक्त वाइ के प्रयोजनार्थ, "मद्रास क्रोकोडाइल बैंक ट्रस्ट" को करनियार्थ वर्ष 1983-84 से 1985-86 के लिए अविसूचित करती है।

[सं 7097 (का. घा 197/143/94/II क. नि. 1)]

### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 13th January, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1753.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Madras Crocodile Bank Trust" for the purpose of the said clause for the assessment years 1983-84 to 1985-86.

[No. 7097/File No. 197/148/84-IT(AI)]

का. घा 1752.—आपकर प्रतिनिधि, 1961 (1961 का 43) को द्वारा 10 की उत्तराय (23C) के वाइ (4) द्वारा प्रदत्त वर्गितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रायार उक्त वाइ के प्रयोजनार्थ, "एन. प. बी. लायन्स होम कारप्टिंग आइड, पुणे" को करनियार्थ वर्ष 1981-82 से 1986-87 के लिए अविसूचित करती है।

[सं 7098 (का. घा 197/155/8-स्था. क. नि.-I)]

S.O. 1754.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "NAB Lions Home for Aging Blind, Punc" for the purpose of the said clause for the assessment years 1981-82 to 1986-87.

[No. 7098/F. No. 197/155/84-IT(AI)]

का. घा 1755.—आपकर प्रतिनिधि 1931 (1931 का 43) की द्वारा 10 की उत्तराय (23C) के वाइ (4) द्वारा प्रदत्त वर्गितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एन्ड्रायार उक्त वाइ के प्रयोजनार्थ, ("तमिलनाडु पुलिम परिवार कल्याण संगठन" ने करनियार्थ वर्ष 1983-84 से 1986-87 के लिए अविसूचित करती है।

[सं 7100 (का. घा 197/30/83-आ. क. नि. )]

के. के. लियाली, उप सचिव

S.O. 1755.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Tamil Nadu Police Families Welfare Organisation" for the purpose of the said clause for the assessment years 1983-84 to 1986-87.

[No. 7100/F. No. 197/30/83-ITA.1]

K. K. TRIPATHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 1987

(प्रायकर)

का. भा. 1756.—प्रायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोगनार्थ, "खेलधर शिशु निवास व शिक्षा केन्द्र" को कर निर्धारण वर्ष 1985-96 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7115 (फा. सं. 197/68/85-भा. क. नि. 1)]

New Delhi, the 28th January, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1756.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Kholghar Shishu Nivas O Shiksha Kendra" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7115/F. No. 197/68/85-ITA.1]

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1987

प्रायकर

का. भा. 1757.—प्रायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोगनार्थ "वा. लोरेटो हाउस एजेंटेशनल सोसायटी आफ कलकत्ता" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7119 (फा. सं. 197-फ/130/82-भा. क. नि. -I)]

New Delhi, the 6th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1757.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Loreto House Educational Society of Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7119/F. No. 197A/130/82-ITA.1]

नई दिल्ली, 9 फरवरी, 1987

(प्रायकर)

का. भा. 1758.—प्रायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोगनार्थ "फैरेण्ट आफ हैंडिवेट एक्सपोर्ट भारतोनाइजेशन" को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7924 (फा. सं. 197/60/85-भा. क. नि. 1)]

New Delhi, the 9th February, 1987  
(INCOME-TAX)

S.O. 1758.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Federation of Indian Export Organisations" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 to 1988-89.

[No. 712/F. No. 197/60/85-ITA.1]

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1987

(प्रायकर)

का. भा. 1759.—प्रायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोगनार्थ "कर्नाटक पुलिस परोपकारी निधि" को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7134 (फा. सं. 197/186/85-भा. क. नि. I)]

New Delhi, the 18th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1759.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Karnataka Police Benevolent Fund" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 to 1988-89.

[No. 7134/F. No. 197/186/85-ITA.1]

प्रायकर

का. भा. 1760.—प्रायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोगनार्थ "सी. फैररस बैनकेयर फँड सोसायटी, बॉम्बे" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 और 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7135 (फा. सं. 197/38/86-भा. क. नि. I)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1760.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Seafarers' Welfare Fund Society, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 and 1986-87.

[No. 7135/F. No. 197/38/86-ITA.1]

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 1987

(प्रायकर)

का. भा. 1761.—प्रायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23 ग) के खण्ड (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवंद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोगनार्थ "मराठा मंदिर, बॉम्बे" को कर निर्धारण वर्ष 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7149 (फा. सं. 197/66/86-भा. क. नि. I)]

New Delhi, the 26th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1761.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Maratha Mandir, Bombay" for the purpose of the said clause for the assessment year 1988-89.

[No. 7149/F. No. 197/66/86-ITA.1]

का. आ. 1762.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “गुरुदेव सिद्ध पीठ गणेश पुरी” को कर निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7151/का. अ. 197/111/84-आ. क. नि. 1]

S.O. 1762.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Gurudev Siddha Peeth Ganeshpuri” for the purpose of the said clause for the assessment years 1984-85 to 1986-87.

[No. 7151/F. No. 197/111/84-ITA.1]

का. आ. 1763.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “किशोर भारती, होशंगाबाद” को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7152 (का. अ. 197/181/86-आ.क.नि.-I)]

S.O. 1763.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Kishore Bharati, Hoshangabad” for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7152/F. No. 197/181/86-ITA.1]

का. आ. 1764.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “सी. पी. रामास्वामी अय्यर कार्डिनेशन” को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7153 (का. अ. 197/137/85-आ.क.नि.-I)]

S.O. 1764.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The C. P. Ramaswami Ayyar Foundation” for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7153/F. No. 197/137/85-ITA.1]

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1987

(आयकर)

का. आ. 1765.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “इंस्टी-यूट ऑफ एंटीमल हीथ एंड वैटरनेच (लोकल बोरोहेलिंग (बंगलौर))” को कर निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7154 आ.अ. 197/142/83-आ.क.नि.-I]

New Delhi, the 27th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1765.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “The Stock Exchange, Bombay” for the purpose of the said clause for the assessment years 1982-83 to 1986-87.

[No. 7154/F. No. 197/61/83-ITA.1]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1987

(आयकर)

का. आ. 1766.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “इंडियन मर्चेंट्स चैम्बर, बंबई” को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7172/का.प. 197/158/84-आ.क.नि.-I]

New Delhi, the 10th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1766.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indian Merchants’ Chamber, Bombay” for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7172/F. No. 197/158/84-ITA.1]

का. आ. 1767.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन्स प्रॉफे इंडिया” को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7173/का.प. 197/7/86-आ.क.नि.-I]

S.O. 1767.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “United Service Institution of India” for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7173/F. No. 197/7/86-ITA.1]

का. आ. 1768.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 10 की उपधारा (23-ग) के बंद (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त बंद के प्रयोगनार्थ “इंस्टी-यूट ऑफ एंटीमल हीथ एंड वैटरनेच (लोकल बोरोहेलिंग (बंगलौर))” को कर निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7174/का.प. 197/142/83-आ.क.नि.-I]

S.O. 1768.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Institute of Animal Health and Veterinary Biologicals, Hebbal (Bangalore)” for the purpose of the said clause for the assessment years 1984-85 to 1986-87.

[No. 7174/F. No. 197/142/83-ITA.1]

का. धा. 1769.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ “संकट निवारण सोसायटी, गुजरात” को कर-निर्धारण वर्ष 1983-84 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करता है।

[सं. 7175/का. सं. 197/169/86-प्रा. क. (नि.-1)]

S.O. 1769.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sankat Nivaran Society, Gujarat” for the purpose of the said clause for the assessment years 1983-84 to 1986-87.

[No. 7175/F. No. 197/169/86-IT(A1)]

का. धा. 1770.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ “मार्लीय भाषा परिवर्तक एवं विद्यालय” को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 तथा 1988-89 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7176/का. सं. 197/124/86-प्रा. क. (नि.-1)]

S.O. 1770.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Bharatiya Bhasha Parishad, Calcutta” for the purpose of the said clause for the assessment years 1987-88 and 1988-89.

[No. 7176/F. No. 197/124/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 18 भावं, 1987

(प्रायकर)

का. धा. 1771.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ “वेस्ट बंगाल काउंसिल फॉर चाइल्ड वेलफेर” को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7188/का. सं. 197/174/85-प्रा. क. (नि.-1)]

New Delhi, the 18th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1771.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “West Bengal Council for Child Welfare” for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7188/F. No. 197/174/85-IT(A1)]

का. धा. 1772.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ, “सोसायटी फॉर फ्रांसिस कॉर्नेलियन मरी, जम्मू एंड काशीर; बारामुला (काशीर)” को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7189/का. सं. 197/143/86-प्रा. क. (नि.-1)]

S.O. 1772.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Jnana Prabodhini, Pune” for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7189/F. No. 197/143/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1987

(प्रायकर)

का. धा. 1773.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ “श्री मत्य साई सेट्स ट्रस्ट, बम्बई”, को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7219/का. सं. 197/238/86-प्रा. क. (नि.-1)]

New Delhi, the 3rd April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1773.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sri Sathyai Sai Central Trust, Bombay” for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7219/F. No. 197/238/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1987

(प्रायकर)

का. धा. 1774.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ “इंडियन फाउंडेशन फॉर रिसर्च आंड इंटरेक्यूनल इकानॉमिक रिलेशन्स, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7224/का. सं. 197/104/85-प्रा. क. (नि.-1)]

New Delhi, the 6th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1774.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indian Council for Research in International Economic Relations, New Delhi” for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7224/F. No. 197/104/85-IT(A1)]

(प्रायकर)

का. धा. 1775.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खंड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खंड के प्रयोगनार्थ “सोसायटी फॉर फ्रांसिस कॉर्नेलियन मरी, जम्मू एंड काशीर; बारामुला (काशीर)” को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 7238/का. सं. 197/34/86-प्रा. क. (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1775.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Society of the Franciscan Sisters of Mary of Jammu & Kashmir, Baramulla (Kashmir)” for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7238/F. No. 197/34/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1987

(आयकर)

का. घा. 1776.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ “वेद रक्षण निधि ट्रस्ट, भद्रास” को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[नं 7256/का. धा. 197/217/86-प्रा. क.नि-1]

New Delhi, the 24th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1776.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Veda Rakshana Nidhi Trust, Madras” for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7256/F. No. 197/217/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1987

(आयकर)

का. घा. 1777.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ “रमण महर्षि ट्रेटर फार लैरिंग, बंगलोर” को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 तथा 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं 7265/का.धा. 197/190/84-प्रा.का.नि-1]

New Delhi, the 30th April, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1777.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Ramana Maharshi Centre for Learning, Bangalore” for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7265/F. No. 197/190/84-IT(A1)]

नई दिल्ली, 19 मई, 1987

प्रायकर

का. घा. 1778.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ “सर सूसन डेविड ट्रस्ट फण्ड, बम्बई” को कर निर्धारण वर्ष 1982-83 से 1986-87 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं 7278/का.धा. 197/179/81-प्रा.का.नि-1]

New Delhi, the 19th May, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1778.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sir Sasoon David Trust Fund, Bombay” for the purpose of the said clause for the assessment years 1982-83 to 1986-87.

[No. 7279/F. No. 197/179/81-IT(A1)]

(आयकर)

का. घा. 1779.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों

का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ “इण्डियन कॉमिल फार चाइल्ड बीलफेयर, नई दिल्ली” को कर-निर्धारण वर्ष 1986-87 और 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं 7281/का.धा. 197/42/87-प्रा.का.नि-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 1779.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Indian Council for Child Welfare, New Delhi” for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7281/F. No. 197/42/87-IT(A1)]

(आयकर)

का. घा. 1780.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ, “असम राइफल्स ग्रुप इंश्युरेस स्कीम, शिलांग” को कर-निर्धारण वर्ष 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं 7282/का.धा. 197/46/87-प्रा.का.नि-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 1780.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Assam Rifles Group Insurance Scheme, Shillong”, for the purpose of the said clause for the assessment year 1987-88.

[No. 7282/F. No. 197/46/87-IT(A1)]

(आयकर)

का. घा. 1781.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ “एक्शन फार फूड प्रोडक्शन, नई दिल्ली” को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं 7283/का.धा. 197/105/78-प्रा.का.नि-1]

(INCOME-TAX)

S.O. 1781.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Action for Food Production, New Delhi” for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7283/F. No. 197/105/78-IT (A1)]

आयकर

का. घा. 1782.—प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के अन्दर (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अन्दर के प्रयोजनार्थ, “नेशनल सोसायटी फार बलीम सिटीज-इण्डिया” को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं 7286/का.धा. 197/31/88-प्रा.का.नि-1]

रोजन सहाय, प्रबर सचिव

(INCOME-TAX)

S.O. 1782.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby

notifies "National Society for Clean Cities—India", for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7286/F. No. 197/31/86-IT(A1)]  
ROSHAN SAHAY, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1987

(भायकर)

का. आ. 1783.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "इस्टीचूट फार मोटिवेटिंग सीलफ एम्प्लायमेंट, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7141/फा. सं. 197/142/84-आ.का. (नि-1)]

New Delhi, the 18th February, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1783.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Institute for Motivating Self-employment, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7141/F. No. 197/142/84-IT(A1)]

नई दिल्ली, 10 मार्च, 1987

(भायकर)

का. आ. 1784.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "इण्डियन स्टेंडेंस इस्टीचूट्यून" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7169/फा. सं. 197/110/84-आ.का. (नि-1)]

New Delhi, the 10th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1784.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Indian Standards Institution" for the purpose of said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7169/F. No. 197/110/84-IT (A1)]

(भायकर)

का. आ. 1785.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "जयपुर रस्त इंडियनपोर्ट ट्रस्ट, जयपुर" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7170/फा. सं. 197/3/85-आ.का. (नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1785.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Jaipur Rural Health & Development Trust, Jaipur" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7170/F. No. 197/3/85-IT (A1)]

(भायकर)

का. आ. 1786.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "लिटल सिस्टर्स ऑफ दी पूर्व, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7171/फा. सं. 197/का.1/73/82-आ.का. (नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1786.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Little Sisters of the Poor, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7171/F. No. 197A/173/82-IT(A1)]

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1987

(भायकर)

का. आ. 1787.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "मारवाड़ी रिलीफ सोसायटी, कलकत्ता" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7186/फा. सं. 197/32/86-आ.का. (नि-1)]

New Delhi, the 18th March, 1987

(INCOME-TAX)

S.O. 1787.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Marwari Relief Society, Calcutta" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7186/F. No. 197/32/86-IT(A1)]

(भायकर)

का. आ. 1788.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "महिमनराम एवं पराम आश्रम, महमवाबाव" को कर-निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7187/फा. सं. 197/85/86-आ.का. (नि-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1788.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mahipatram Rupram Ashram, Ahmedabad" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7187/F. No. 197/85/86-IT(A1)]

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1987

(भायकर)

का. आ. 1789.—भायकर भवित्वियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23-ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं द्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "एसोसिएशन फार सोसायटी इंडिया, नई दिल्ली" को कर-निर्धारण वर्ष 1984-85 से 1987-88 के लिए भवित्वित करती है।

[सं. 7223/फा. सं. 197/149/84-आ.का. (नि-1)]

New Delhi, the 6th April, 1987

## (INCOME-TAX)

S.O. 1789.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Association for Social Health in India, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1984-85 to 1987-88.

[No. 7223/F. No. 197/149/84-IT(A1)]

नई विल्सो, 19 मई, 1987

(आयकर)

का.आ. 1790—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ "सिवतम होम्स फाउंडेशन" दिल्ली को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 के लिये अधिसूचित करती है।

[सं. 7280/फा.सं. 197/174/86-आ.क. (नि. -1)]

New Delhi, the 19th May, 1987

## (INCOME-TAX)

S.O. 1790.—In exercise of the powers conferred by (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Tibetan Homes Foundation, Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7280/F. No. 197/174/86-IT(A1)]

(आयकर)

का.आ. 1791—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "बालस्टरी हैल्प एसोसिएशन आफ हाईस, नई विल्सो" को कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के लिये अधिसूचित करती है।

[सं. 7284/फा.सं. 197/116/84-आ.क. (नि. -1)]

## (INCOME-TAX)

S.O. 1791.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961, (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Voluntary Health Association of India, New Delhi" for the purpose of the said clause for the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 7284/F. No. 197/116/84-IT(A1)]

(आयकर)

का.आ. 1792—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ, "मुस्लिम वूमैन एण्ड सोसाइटी, मद्रास" को कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1987-88 के लिये अधिसूचित करती है।

[सं. 7287/फा.सं. 197/53/85-आ.क.नि.-1]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

## (INCOME-TAX)

S.O. 1792.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Muslim Women Aid Society, Madras" for the purpose of the said clause for the assessment years 1986-87 and 1987-88.

[No. 7287/F. No. 197/53/85-IT(A1)]

DALIP SINGH, Officer on Spl. Duty

नई विल्सो, 10 जून, 1987

(आयकर)

का.आ. 1793—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 103 के परन्तु (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ भारतीय शौद्धीय विकास बैंक, अम्बई द्वारा जारी "11% आ. औ. वि. 2001 (43वीं शृंखला)" को विनिर्दिष्ट करती है।

वर्षते कि पृष्ठाकान भवित्वा वितरण द्वारा इस प्रकार के बन्द पक्षों के अन्तरण के मामले में उक्त परन्तु के अन्तर्गत लाभ तब स्वीकार्य होगा यदि अन्तरित इस प्रकार के अन्तरण से 60 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय शौद्धीय विकास बैंक को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करें।

[सं. 7346/फा. सं. 275/22/87-आ.क. (ब)]

New Delhi, the 10th June, 1987

## (INCOME-TAX)

S.O. 1793.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "11 per cent IDBI Bonds 2001 (43rd Series)" issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay, for the purposes of the said clause:

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery, if the transferee informs the Industrial Development Bank of India by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[No. 7346/F. No. 275/22/87-IT (B)]

का.आ. 1794—आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 103 के परन्तु (ii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त खण्ड के प्रयोजनार्थ भारतीय शौद्धीय विकास बैंक, अम्बई द्वारा जारी "11% आ. औ. वि. बै. बन्द पक्ष 2002 (44वीं शृंखला)" को विनिर्दिष्ट करती है।

वर्षते कि पृष्ठाकान भवित्वा वितरण द्वारा इस प्रकार के बन्द पक्षों के अन्तरण के मामले में उक्त परन्तु के अन्तर्गत लाभ तब स्वीकार्य होगा यदि अन्तरित इस प्रकार के अन्तरण से 60 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय शौद्धीय विकास बैंक को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करता है।

[सं. 7347/फा. सं. 275/38/87-आ.क. (ब)]

आ. नागराजन, निदेशक

S.O. 1794.—In exercise of the powers conferred by clause (ii) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "11 per cent IDBI Bonds 2002 (44th Series)" issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay, for the purposes of the said clause:

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery, if the transferee informs the Industrial Development Bank of India by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[F. No. 275/38/87-IT(B)]

B. NAGARAJAN, Director

नई विल्ली, 24 जून, 1987

प्रधान

स्टॉप

का. आ. 1795.—भारतीय स्टॉप संवित्तियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उधारण (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वाया पीका होते स्टॉप संवित्ति एवं इन्वेस्टी-कल्स लि., कलकता का माल सालह लाल पचास हजार रुपये के उम्मेकित स्टॉप शुल्क की अवधारणा करने को अनुमति देती है, जो निम्न-संवित्ति पर स्टॉप शुल्क के कारण प्रभावी है :—

- (क) प्रत्येक 1000 रु. के स्टॉप शुल्क के 80,000 निमी तौर पर रखेगए अद्यात्र जो छः लाल रुपये की राशि के हैं;
- (ब) प्रत्येक 100 रु. के स्टॉप शुल्क के 2,00,000 रु. जी. आई. अणपत्र जो एक लाल पचास हजार रुपये की राशि के हैं;
- (ग) प्रत्येक 100 रु. के स्टॉप शुल्क के 12,00,000 अधिकार अणपत्र जो 9 लाल रुपये की राशि के हैं।

ये अणपत्र उक्त कम्पनी द्वारा आगे किए जाने वाले माल रुप बाहिस करोड़ रु. के अंकित मूल्य के हैं।

[सं. 28/87-स्टॉप-का. सं. 33/22/87-वि. क.]

बी. प्रार. मेहमी, अवर. सचिव

New Delhi, the 24th June, 1987

## ORDER

## STAMPS

S.O. 1795.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Peico Electronics and Electricals, Limited, Calcutta to pay consolidated stamp duty of rupees sixteen lakhs and fifty thousand only, chargeable on account of the stamp duty on

- (a) 80,000 Privately placed debentures of Rs. 1000 each stamp duty amounting to Rs. 6 lakhs;
- (b) 2,00,000 AGI debentures of Rs. 100 each stamp duty amounting to Rs. 1.50 lakhs;
- (c) 12,00,000 Rights debentures of Rs. 100 each stamp duty amounting to Rs. 9 lakhs,

of the total face value of rupees twenty two crores only to be issued by the said Company.

[No. 28/87-Stamp-F. No. 33/22/87-ST]

B. R. MBHMI, Under Secy.

(साधिक कार्य विभाग)

(वैकाश प्रभाग)

नई विल्ली, 26 जून, 1987

का. आ. 1796.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं प्रक्रीण उपबन्ध) स्कीम 1970 के खंड 9 के उपखंड (2) के गाय पर्ट खंड 3 के उपखंड (ब) (1) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एतद्वाया श्री शी.एम. करकेट, विद्या महान्यक, सिडिकेट बैंक, केंद्रीय लेखा विभाग, बंगलौर जो दिनांक 26 जून, 1987 से 25 जून, 1990 तक सिडिकेट बैंक के निदेशक मंडल में निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 15/2/82-आई.आर.]

ताजवर अपान माहनी, निवेशक

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1796.—In pursuance of sub-clause (b)(i) of clause 3, read with sub-clause (2) of clause 9, of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, Central Government hereby appoints Shri B. M. Karkera, Special Assistant, Syndicate Bank, Central Accounts Department, Bombay as a Director on the Board of Directors of Syndicate Bank with effect from 26th June, 1987 to 25th June, 1990.

[No. 15/2/82-IR]

TAJWAR RAHMAN SAHNI, Director

नई विल्ली, 26 जून, 1987

का. आ. 1797.—बैंककारी विभिन्नमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वाया यह घोषणा करती है कि बैंककारी विभिन्नमन (महकारी समितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विभिन्नमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान शोरानुर को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहां तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-भव तथा लाभ और हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[संख्या एक. 8-2/87-ग.भी.]

New Delhi, the 26th June 1987

S.O. 1797.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Shoranur Co-operative Urban Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheets and profit and loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditors report in a news paper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का. आ. 1798.—बैंककारी विभिन्नमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वाया यह घोषणा करती है कि बैंककारी विभिन्नमन (महकारी समितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के साथ पठित बैंककारी विभिन्नमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि सहकारी समितियों वर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान नेम्मारा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक वे लेखा रिपोर्ट सहित दिनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उसका तुलन-भव तथा लाभ और हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[संख्या एक. 8-2/87-ग.सी.]

S.O. 1798.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Nemmara Cooperative Urban Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditors report in a news paper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का. आ. 1793—टेलरो बिनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की निकारिण पर एवं द्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (महाराष्ट्र मितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के माथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि महाराष्ट्र मितियां पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान पारंगांही अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहां यह वे लेखा रिपोर्ट सहित विनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उपका तुलनात्मक तथा लाभ-हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[एक. मंथा 8-2/87-मी.ए.]

S.O. 1799.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Payengadi Urban Co-operative Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit & loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का. आ. 1800.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की निकारिण पर एवं द्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (गढ़कारी मितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के माथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि महाराष्ट्री मितियां पर लागू है) की धारा 31 के प्रावधान बड़तों को-ऑपरेटिव बैंक लि., पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहां यह वे लेखा रिपोर्ट सहित विनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उपका तुलनात्मक तथा लाभ-हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[एक. मंथा 8-2/87-मी.ए.]

S.O. 1800.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 shall not apply to Badgara Urban Co-operative Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit and loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 8-2/87-AC]

का. आ. 1801.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के माथ पठित धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते द्वारा केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की निकारिण पर एवं द्वारा यह घोषणा करती है कि बैंककारी विनियमन (महाराष्ट्र मितियां) नियम, 1966 के नियम 10 के माथ पठित बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (जैसा कि महाराष्ट्र मितियां पर लागू है)

पर उस सीमा तक लागू नहीं होगे जहां तक वे लेखा रिपोर्ट सहित विनांक 30 जून, 1986 को समाप्त वर्ष के लिये उपका तुलनात्मक तथा लाभ-हानि लेखा समाचार-पत्र में प्रकाशित होने से संबंधित है।

[एक. मंथा 8-2/87-मी.ए.]

S.O. 1801.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Section 31 of the Banking Regulation Act, 1949 (As applicable to Co-operative Societies) read with Rule 10 of Banking Regulation (Co-operative Societies) Rules, 1966 should not apply to Meppayur Co-operative Urban Bank Ltd., so far as they relate to the publication of its balance sheet and profit & loss account for the year ended 30th June, 1986 together with the auditor's report in a newspaper.

[F. No. 8-2/87-AC]

K. P. PANDIAN, Under Secy.

मई शिल्पी 10 जून, 1987

का. आ. 1802—गार्डीयरु बैंक (प्रति जीर्ण पर्याप्त उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 की उपारा (छ) के अनुमति मरकार श्री एम. के. कृष्णमुख अधिकारी वैकिंग परिवालन श्रीर शिकाम विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, अम्बई को श्री वी टी गढ़िया के स्थान पर एवं द्वारा यह वैकिंग बैंक श्रीकार महाराष्ट्र के निवेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[एक. मंथा 9/4/87-मी.ओ. I]

एम.एम. सीनारमण अवर सचिव

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1802.—In pursuance of sub-clause (g) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri S. K. Kapur, Joint Chief Officer, Department of Banking Operations and Development, Reserve Bank of India, Bombay as a Director of Bank of Maharashtra vice Shri V. T. Gadhis.

[F. No. 9/4/87-BO. I]

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy

वाणिज्य अंतरालय

(महाराष्ट्र मुख्य नियंत्रक, माध्यम-नियंत्रण वा कार्यालय)

पटना, 9 जून, 1987

विवर—श्री विनय कुमार मिश्र, पटना, के पत्र में जारी किए 3,000/- इसके मूल सीमा-गुम्बद निकारी परमिट सं. ५१३/३०७०२६९/ सी, विनांक 11-7-86 को रह करने का आदेश।

का. आ. 1803—श्री विनय कुमार मिश्र, “कृष्णा भूज”, बोरिग रोड, पटना (विभाग) का निवासी दिग्गंग विवरण के अनुसार एक सीमा-गुम्बद निकारी परमिट दिया गया था—

सीमा-गुम्बद निकारी परमिट	मूल्य	माध्यमा	मद
पी.जे./३०७०२६९/सी.	3000/-रु	30-4-87	१ नं. एम.

उद्देश्ये इस आदार पत्र कि 3000/-रु. के मूल्य का मूल सीमा-गुम्बद निकारी परमिट सीमा-शालक प्रधिकरण, अस्कमा के पास पंजीकृत करायाएं विनांकी लोग अस्यानास्थ हो गया है, सीमा गुम्बद निकारी परमिट की अनुमति जारी करने पा शनुरोध किया है। अनुमति के विषय अनुरोध 3000/-रु. (वेल सीन हजार रुपये) की पूरी राशि के लिए किया गया है।

इस नक्शे के समर्थन में प्रार्थी ने कार्यकारी व्याय दण्डाधिकारी, पटना द्वारा यात्राधिकारी राश्य पर एक गारंटी दाविल किया है। मैं गृहांत हूं कि मूल सी. पि. प. को/प्रस्थानास्थ हो गया है और निदेश देता हूं कि प्रार्थी को अनुमति जारी कर दी जाए। 3000/-रु.

के श्री. मो. पी. मं. पी/जे/3070269, दिनांक 11-7-86 की मूल नियंत्रण को रद्द कर दिया जाए।

विषय.—श्री बिनय कुमार सिंहा, "कृष्ण कुंज", बोरिंग रोड, पटना (बिहार) को संभास्क नियंत्रणी परमिट को अनुलिपि प्रति प्राप्ति करवा।

श्री बिनय कुमार सिंहा, "कृष्ण कुंज", बोरिंग रोड, पटना (बिहार) को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार संभास्क नियंत्रणी परमिट को अनुलिपि प्रति जारी कर दी गई है। मूल श्री. नि. प. वर्दि और जब कभी उनके पन्नन कार्यालय में प्रवृत्ति किया जाए, तरफाल इस कार्यालय को जारी कर दिया जाता जाहिं।

MINISTRY OF COMMERCE  
(Office of the Asstt. Chief Controller of Imports & Exports)

Patna, the 8th June, 1987

Subjects:—Order for cancellation of Original Customs Clearance permit No. P/J/3070269/C dt. 11-7-86 for Rs. 3,000 issued in favour of Shri Binay Kumar Sinha, Patna.

S.O. 1803.—Shri Binay Kumar Sinha, "Krishna Kunj", Boring Road, Patna, (Bihar) was granted a C.C.P. as per details given below:—

C.C.P. No. & date	Value	Validity period	Item
P/J/3070269/C dt. 11-7-86.	Rs. 3,000/- (Rupees Three thousand only.)	Upto 30-4-87	1 No. N.P. Bore Revolver

He has requested for issue of duplicate copy of Customs Clearance Permit on the ground that the original C.C.P. has been lost/misplaced without having been registered with customs Authority, Calcutta to the tune of Rs. 3,000. The duplicate copy has been requested for the full amount of Rs. 3,000 (Rupee Three thousand only).

In support of this contention the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested by the Executive Magistrate, Patna. I am satisfied that original C.C.P. has been lost or misplaced and direct that duplicate copy be issued to the applicant. The original copy of C.C.P. No.

Sl. No.	Duplicate C.C.P. No. & date	Original C.C.P. against which issued	Value	Validity period	Item
1.	D.C.C.P. No. D 2471377 Dt. 1-6-87	P/J/3070269/C dt. 11-7-86.	Rs. 3,000/-	Upto 30-4-87	1 No. N.P. Bore Revolver.

[File No. CP-63]AU[AM'87|Gift|3].

S. K. PRASAD, Asstt. Chief Controller of  
Imports and Exports

उत्तम संत्रासय

(कल्पनी कार्ये विभाग)

नई दिल्ली, 29 जून, 1987

पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 1612/82) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[म. 16/12/86-एम-3]

एम. मी. गांधी. प्रधार नचिव

का. श्रा 1804—एकाधिकार नया अवरोधक व्यापारिक अवधार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप धारा (3) के अनुसार में केन्द्रीय सरकार एन्ड्रेड एंड पाइल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय श्री. ओ. ओ. ऊरा नाव शिला कोलहापुर-416005, महाराष्ट्र के कर्तिक अधिनियम के अन्तर्गत

MINISTRY OF INDUSTRY  
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1804.—In pursuance of Sub-Section (3) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Ghatge Patil

Industries Ltd., having its registered office at P. O. Uchagaon, Distt. Kolhapur-416005, Maharashtra under the said Act (Certificate of Registration No. 1612/82).

[No. 16/12/86-M. III]  
L. C. GOYAL, Under Secy

(भौद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. धा. 1305 :—केंद्रीय सरकार, वरकारी स्थावर (भौद्योगिक अधिकारीयों की बेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की द्वारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारीयों का प्रयोग करते हुए, नीचे आरणी के सम्बन्ध (1) में उल्लिखित अधिकारी को, जो दिल्ली राज्य भौद्योगिक विकास विभाग लिमिटेड, नई दिल्ली का प्रबोहारी है, उस प्रतिनियम के प्रयोगन के लिए संभवा अधिकारी नियुक्त करती है। उक्त अधिकारी, उक्त मारणी के सम्बन्ध (2) में तत्स्थानी प्रविहित में विनियित सरकारी स्थावरों की वास्तव अपनी अधिकारिता को स्थानीय सीमावर्ती के भीतर उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन संभवा अधिकारा को प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करेगा और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

तारीख

अधिकारी का पद नाम	सरकारी स्थावरों के प्रबोहा और अधिकारिता की स्थानीय सीमाएँ
(1)	(2)
1. श्री कमलेश चन्द्र, मुख्य परियोजना प्रबंधी, दिल्ली राज्य भौद्योगिक विकास विभाग, नई दिल्ली	दिल्ली राज्य भौद्योगिक विकास विभाग नियम नि., नई दिल्ली के स्थानीय में/द्वारा अनियन्त्रित या नियाएं पर लिए गए लोक परिवार।

[का. सं. 15(12)/85-एस एस आई (पी)]  
प्रार. वी. अजवानी, अवर सचिव

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 30th June, 1987

S. O. 1805.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the Officer mentioned in column (1) of the Table below, being officer of Delhi State Industrial Development Corporation Limited, New Delhi, to be Estate Officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed on Estate Officer by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table:—

TABLE

Designation of Officers	Category of Public Premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
1. Shri Kamlesh Chandra, Chief Project Manager, Delhi State Industrial Development Corporation, New Delhi.	Public Premises owned/ acquired or hired by the Delhi State Industrial Development Corporation Limited, New Delhi.

[File No. 15/12/85-SSI(P)]

R.B. AJWANI, Under Secy.

(रसायन और पेट्रोरेसायन विभाग)

नई दिल्ली, 8 जुलाई, 1987

का. धा. 1306 :—यह केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि महाराष्ट्र राज्य में भौमि बेंसे, तहसील पेंज, जिना राशगढ़ से खार कोपर तहसील अस्तीति, जिना राशगढ़ तक पेट्रोलियम सेल अधिकारी नीतिगत गैस अधिकारी एफमुम्प्रान्ट अधिकारी प्रबंध अधिकारी के परिवहन के लिए पाइप लाइन, इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, महाराष्ट्र गैस कोपर कॉम्पनीज विभाग, जिलों (प.) मुंबई द्वारा बिलाई जानी जाहिये।

और यह यह प्रतीत होता है कि ऐसी सार्वतों को विभाने के प्रयोगन के लिए एतद्यावद मन्त्रालय में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

प्रत अवधि पेट्रोलियम और अन्तर्जल पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1963 का 50) की द्वारा 3 की उपाधारा (1) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार ने उक्ते उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना प्राक्षय एतद्वारा, अधिकत दिया है।

बाश्वर्ते कि उक्त भूमि में हितवद्धु कोई अधिकृत, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन विभाने के लिए आवश्यक सभी प्राविकारों इंडियन पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, महाराष्ट्र गैस कोपर कॉम्पनीज, नागोड़ा, तहसील रोहा, जिला राशगढ़ को इस अधिकारिता की सार्वतों से 21 दिनों के भीतर कर दें।

और ऐसा आवश्यक करने वाला हर अधिकृत विनियित: यह भी करना करेगा कि क्या यह आहता है कि उक्ती सुनवाई अवधिगत हो या किसी विधि अवधारी की भारती।

[का. सं. 34027/1/87-पी. सी. -3]

एस. के. गुप्ता, डैस्ट्रक्ट अधिकारी

## भनुसूची

सेट्रोलियम और बनिज पार्स लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अंजलि) अधिनियम 1962 की वारा 3 की उपचारा (1) अधिसूचना क्रमांक  
.....तारीख की भनुसूची

सं. क्र.	गोब का नाम	लहसुल	जिला	सर्वे नं.	हिस्सा नं.	गट क.	हेक्टर	लेव	प्रार.
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	बेंडसे	पेण	रायगढ़	13	1 से १ (पी)	—	—	37.0	
				12	1 (पी)	—	—	29.0	
				12	3(2) ए/	—	—	21.0	
					3(2) शीपी	—	—		
				11 (पी)	—(पी)	—	—	33.5	
				9	2 (पी)	—	—	14.5	
				9	4 (पी)	—	—	39.5	
				53	1 (पी)	—	—	12.5	
				41	0 (पी)	—	—	18.0	
				87	1 (पी)	—	—	27.0	
2.	झोतोरपाड़ा	पेण	रायगढ़	1	0 (पी)	—	—	49.5	
				2	0 (पी)	—	—	27.0	
				136	0 (पी)	—	—	24.0	
				132	8 (पी)	—	—	04.0	
				132	5 (पी)	—	—	17.0	
				131	0 (पी)	—	—	04.0	
				138	0 (पी)	—	—	11.0	
				64	1 (पी)	—	—	03.5	
				130	2 (पी)	—	—	03.0	
				130	4 (पी)	—	—	04.0	
				130	1 (पी)	—	—	03.0	
				65	1 (पी)	—	—	11.0	
				65	4 (पी)	—	—	03.0	
				65	7 (पी)	—	—	01.0	
				127	4 (पी)	—	—	01.0	
				127	(5 पी)	—	—	23.0	
				68	1 (पी)	—	—	28.0	
				126	1 (पी)	—	—	21.0	
				128	2 (पी)	—	—	04.0	
				126	3 (पी)	—	—	03.0	
				125	3 (पी)	—	—	01.0	
				125	4 (पी)	—	—	06.0	
				68	0 (पी)	—	—	03.0	
				69	1 (पी)	—	—	14.0	
				69	3 (पी)	—	—	09.0	
				119	0 (पी)	—	—	12.0	
				72	3 (पी)	—	—	24.0	
				72	2(पी)	—	—	10.0	
				72	1 (पी)	—	—	01.0	
				74	1 (पी)	—	—	01.0	
				74	5 (पी)	—	—	12.0	
				74	3 (पी)	—	—	17.0	
				74	2 (पी)	—	—	11.5	
				74	4(पी)	—	—	10.0	
				76	3 (पी)	—	—	03.5	
				77	2-ए(पी)	—	—	22.5	
				77	2-श(पी)	—	—	02.5	
				77	1 (पी)	—	—	18.0	
				88	4 (पी)	—	—	16.0	
				88	2 (पी)	—	—	06.0	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3.	प्राप्ति	पैग	रायगढ़			58 (पी)		5.0
						57 (पी)		16.0
						56 (पी)		08.0
						59 (पी)		10.0
						50 (पी)		05.0
						51 (पी)		05.0
						45 (पी)		25.0
						41 (ए)		01.0
						41 (पी) (पी)		—
						40 (पी)		26.0
						39 (पी)		07.0
						8 (पी)		07.0
						32 (पी)		02.0
						33 (पी)		03.0
						36 (पी)		07.0
						214 (पी)		04.0
						34 (पी)		00.5
						29 (पी)		15.0
						212 (पी)		23.0
						27 (पी)		14.0
						26 (पी)		05.0
						25 (पी)		01.0
						16 (पी)		07.0
						17 (पी)		05.0
4.	प्रतिशत	पैग	रायगढ़	16 (पी)			26.5	
				17	1 (पी)		05.8	
				17	2 (पी)		27.0	
				17	3 (पी)		05.0	
				15	1 (पी)		01.0	
				15	2 (पी)		02.5	
				18	0 (पी)		09.6	
				19	1 ए (पी)		01.2	
				21	1 (पी)		20.8	
				21	2 (पी)		00.2	
				21	4 (पी)		22.5	
				22	0 (पी)		08.6	
				23	5 (पी)		13.9	
				23	6 (पी)		04.3	
				26	1 (पी)		14.4	
				26	2 (पी)		29.0	
				26	3 (पी)		01.7	
				26	4 (पी)		07.8	
				28	1 (पी)		16.4	
				28	2 (पी)		13.0	
				29	1 (पी)		10.8	
				29	3 (पी)		07.3	
				29	4 (पी)		35.9	
				30	2 (ए) (पी)		02.2	
				31	1 (पी)		04.3	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
5	गाँधी	वेश	राष्ट्रपति	19	0 ( पी )			07.8
				20	1 ( पी )			07.8
				20	2 ( पी )			05.5
				20	3 ( पी )			02.7
				13	3 ( पी )			03.5
				18	2 ( पी )			16.4
				17	1 ( पी )			05.0
				17	2 ( पी )			04.5
				17	3 ( पी )			17.9
				16	1 ( पी )			11.3
				16	2 ( पी )			20.4
				16	4 ( पी )			09.8
				14	1 ( पी )			03.2
				15	1 ( पी )			09.0
				15	2 ( पी )			13.6
				15	4 ( पी )			21.5
				15	5 ( पी )			02.2
				24	1 ( पी )			04.6
				24	3 ( पी )			26.8
				24	5 ( पी )			10.3
				25	2 ( पी )			20.5
				31	1 ( पी )			23.2
				31	3 ( पी )			02.0
				31	4 ( पी )			08.2
				31	5 ( पी )			11.3
				30	10 ( पी )			04.5
				30	12 ( पी )			21.7
				30	13 ( पी )			01.7
				29	2 ( पी )			19.7
				29	5 ( पी )			04.3
6.	चोले	वेश	राष्ट्रपति	11	0 ( पी )			24.0
				13	0 ( पी )			08.3
				14	1 ए ( पी )			01.0
				14	1 शी ( पी )			17.6
				15	1 ( पी )			24.0
				15	2 ए ( पी )			20.3
				16	0 ( पी )			31.5
				17	1 ए ( पी )			14.6
				17	1 शी ( पी )			10.9
				18	3 ( पी )			12.0
				18	4 ( पी )			01.7
				18	2 ( पी )			00.5
				18	5+6 ( पी )			24.5
				20	2 ( पी )			24.5
				22	1 ए ( पी )			07.6
				22	2 ए ( पी )			07.3
				22	2 शी ( पी )			05.5
				23	1 ए ( पी )			04.6
				23	1 शी ( पी )			08.3
				23	2 ( पी )			03.7
				23	3 ( पी )			07.6
				3	3 ( पी )			19.4
				24	1 ( पी )			01.7
				17	0 ( पी )			12.5

1	2	3	4	5	6	7	8	9
7.	दुर्गाद्वारा	अलिबाग	रायगढ़	1	1 ( पी )		24.5	
				1	2 ( पी )		01.8	
				1	3 ( पी )		03.5	
				1	4 ( पी )		01.0	
				7	1 ( पी )		02.0	
				7	2 ( पी )		03.5	
				6	0 ( पी )		38.0	
				3	1 ( पी )		52.4	
				3	2 ( पी )		01.0	
				4	0 ( पी )		06.8	
8.	साथरी	अलिबाग	रायगढ़	23	1 ( पी )	191	0	01.0
				24	3 ( पी )	115	0	14.9
				25	1 ( पी )	118	0	17.4
				25	2 ( पी )	114	0	03.5
				25	3 ( पी )	118	0	10.8
				25	4 ( पी )	119	0	03.2
				35	3 ( पी )	132	0	01.2
				35	6 ( पी )	151	0	13.4
				35	4 ( पी )	150	0	05.5
				35	7 ( पी )	149	0	02.2
				26 ( पी )	*	120	0	00.7
				32	2 ( पी )	146	0	30.0
				32	1 ए ( पी )	143	0	00.3
				32	1 वी ( पी )	145	0	12.9
				32	3 ( पी )	145	0	03.2
				33	0 ( पी )	147	0	00.7
				41	2 ए ( पी )	167	0	21.7
						168		
				42	1 ( पी )	177	0	17.8
				44	1 ( पी )	183	0	22.7
				44	4 ( पी )	184	0	11.3
				47	2 ( पी )	195	0	15.6
				47	3 ( पी )	197	0	14.9
				*47	5 ( पी )	197	0	09.6
				46	3 ( पी )	194	0	05.8
9.	नववार तर्फ श्रीगंगाव	अलिबाग	रायगढ़	19	2 ( गो )	113		25.0
				18	1 ( पी )	119		19.0
						120		
				17	1 ( पी )	121		12.0
				17	2 ( पी )	120		11.0
				17	5 ( गो )	123		24.0
				40	1 ( पी )	74		01.0
				39	1 ( पी )	75		17.0
				39	2 ( पी )	73		21.0
						42		
				39	4 ( पी )	71		10.0
				38	1 ( पी )	70		15.0
				38	3 ( पी )	67 } 36		07.5
				36	1 ( पी )	68 } 37		
				37	1 ( पी )	42		17.0
				37	2 ( पी )	174		0.05
				38	5 ( पी )	41		04.0
				37	4 ( पी )	45 } 46 }		11.0
				44	3 ( पी )	42		04.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
10	सिंभाषणी	प्रसीदाग	रायगढ़	11	6 (पी)			03.2
				10	2 (पी)			06.8
				10	6 (पी)			04.5
				10	4 (पी)			07.8
				10	5 (पी)			00.2
				12	1 (पी)			05.5
				12	2 (पी)			11.3
				16	2 (पी)			09.8
11.	फणकापुर	भ्रतिवाग	रायगढ़	9	2 (पी)	41		14.9
				9	4 (पी)	38		16.8
				8	2 (पी)	41		14.9
				8	3 (पी)	36		16.9
				8	4 (पी)	37		14.5
				7	20 (पी)	35		13.0
				7	22 (पी)	30		01.8
				7	4 (पी)	29		15.9
				6	7 (पी)	28		02.5
				31	2 (पी)	111		04.0
				32	1 (पी)	115		19.0
						112		
				32	2 (पी)	114		01.0
				32	3 (पी)	116		14.0
				32	4 (पी)	117		09.0
				32	5 (पी)	188		02.0
						118		
				33	1 (पी)	121		23.3
				33	3 (पी)	123		0.35
				39	2 (पी)	121		08.0
				39	5 (पी)	139		14.0
				35	1 (पी)	133		12.3
				38	2 (पी)	138		14.0
				38	4 (पी)	137		29.0
				40	1 (पी)	146		10.0
				40	2 (पी)	146		08.0
				40	3 (पी)	151		01.5
12.	कुरुक्षेत्र	भ्रतिवाग	रायगढ़	24८	2 (पी)	107		00.7
				24८ी	— (पी)	108		00.3
				24८ी	4 (पी)	—		09.8
				27	0 (पी)	104		23.5
				26	1 (पी)	113		02.3
				26	2 (पी)	112		11.3
				26	3 (पी)	111		00.3
13.	खार कोपरी	भ्रतिवाग	रायगढ़	1	1 (पी)	4		04.5
				1	2 (पी)	3		02.7
				1	3 (पी)	2		14.9
				1	5 (पी)	2		23.7
				3	1 (पी)	9		01.5
				4	2 (पी)	10		12.6
				4	1 (पी)	11		12.3
				5	1 ए (पी)	18		29.3
				6	1 (पी)	19		12.6
				6	2 (पी)	9		02.0
				8	1 (पी)	21		16.9

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13.	आर कोपरी	लिबाग	रायगढ़	8	2 (पी)	33		11.6
				8	3 (पी)	25		20.4
				8	5 (पी)	14		03.7
				11	1 (पी)	42		24.2
				11	2 शी (पी)	3		03.0
				11	2 शी (पी)	41		09.8
				12	2 (पी)	45		23.2
				12	4 (पी)	44		06.8
				12	5 (पी)	45		03.2
				13	2 ए (पी)	46		
				13	2 शी/1 (पी)	47		16.9
				13	2 शी/2 (पी)	47		
				14	5 (पी)	54		05.5
				26	36 (पी)	103		10.8
					3 शी (पी)			
				24	1ए (पी)	101		02.0
						102		
				24	1 शी (पी)	103		13.6
				24	2 (पी) 1	101		25.0
				24	4ए (पी)	88		
				24	4 शी (पी)	98		08.8
				22	2ए (पी)	85		
				22	2 शी (पी)	85		02.5
				22	3 (पी)	100		16.4
				23	2 पी	89		03.7
				23	3 (पी)	90		25.0
				23	4 (पी) 1	88		00.7
14.	चिक्कली	अविकाग	रायगढ़	32	1 (पी) 1	107		01.0
				32	2 ए (पी) 1	109		14.9
				32	3 (पी)	102		16.9
				32	2 शी (पी)	103		17.6
				32	4 (पी)	108		04.3
				15	ए/1 (पी)	53		15.6
				15	ए/3 (पी)	51		06.0
				17	3 (पी)	159		02.5
				31	4 (पी)	101		06.8
				18	1+ 2 शी (पी) 1	60		08.8
				18	1+ 2 शी (पी) 1	52		10.0
				11	2	30,31 (पी)		30.0
				7	1 (1)	23,25 (पी)		09.6
				7	1 (2)	24 (पी) 1		09.9
				7		23,24,25 (पी)		15.0
				7	2	19 (पी)		09.8
				6	1 ए	17 (पी)		16.6
				6	4	16 (पी)		19.4
15.	याज्ञवीरा	अविकाग	रायगढ़	1	1	3 (पी)		02.5
				1	2	2 (पी)		05.5
				1	5	8 (पी)		04.8
				2	1	4 (पी)		20.4
				2	5	16 (पी)		05.5
				3	1	15,21 (पी)		01.7

1	2	3	4	5	6	7	8	9
15.	दावर्ध र	प्रलिप्ताग	रायगढ़	3	2	17, 19 (पी)		31.0
				3	3	20 (पी)		17.0
				5	2	26 (पी)		0.2
				5	3	31 (पी)		11.8
				5	ए + 4	28 (पी)		12.3
					पी			
				5	1 बी	30 (पी)		26.0
				6	1 बी	32 (पी)		17.9
				6	2	33 (पी)		01.7
				6	3	32 (पी)		08.8
				19	4	79 (पी)		07.8
				20	1	85 (पी)		09.8
				20	5 (पी)	82 (पी)		19.9
				20	2	81 (पी)		03.0
				20	3	83 (पी)		06.0
16.	पिटकोरी	प्रलिप्ताग	रायगढ़	71	0 (पी)			31.4
				70	1	298 (पी)		0.2
				68	5 (पी)			13.1
				66	1	277 (पी)		07.3
				66	3	275, 276 (पी)		12.6
				66	2	274 (पी)		24.0
				64	1 ए (पी)			10.3
				64	2 ए/1 (पी)			05.5
				64	3 बी (पी)			20.2
				64	3 ए (पी)			02.7
				64	2ए/2 (पी)			08.3
				64	2 बी (पी)			17.7
				61	4 (पी)			02.7
				61	5 (पी)			19.4
				62	1 बी (पी)			0.7
				61	1 सी (पी)			01.0
				62	2 (पी)			05.0
				62	3 (पी)			14.6
				63	0 (पी)			02.7
17.	कुमुखे	प्रलिप्ताग	रायगढ़	पुराता/नथा				
				134	57	1 बी		02.5
				135	58 (पी)			65.0
				136	59 (पी)	4		02.0
				139	63 (पी)	5		02.0
				139	63 (पी)	1		13.4
				139	63 (पी)	2		27.8
				142	68 (पी)	3		09.0
				142	68 (पी)	4		06.5
				142	68 (पी)	1		17.0
				143	69 (पी)	7		08.8
				143	69 (पी)	8 ए		11.0
						8 बी		
				143	69 (पी)	3		15.6
				143	69 (पी)	4		01.7

1	2	3	4	5	6	7	8	9
18	कातविरा	प्रसिद्धि	रायगढ़	16	7	67 (पी)	15.6	
				16	6	64 (पी)	06.0	
						70		
				16	8	66 (पी)	01.5	
				16	9	65 (पी)	01.2	
				13	1	51 (पी)	01.0	
				13	2	52 (पी)	18.0	
				13	7	50 (पी)	08.0	
				13	8	49 (पी)	02.0	
				13	9	48 (पी)	15.4	
				11	1	37 (पी)	07.8	
				11	2	47 (पी)	10.0	
				11	5	38 (पी)	06.3	
				10	1	35 (पी)	07.3	
						36		
				8	2ए/1	39 (पी)	01.2	
				8	2ए	39 (पी)	20.9	
				8	2बी	30 (पी)	12.9	
				6	1	24 (पी)	11.3	
				6	2	21 (पी)	16.9	
				6	3	17,18,19 (पी)	36.0	
				4	0	13 (पी)	19.9	
						14		
19	कालाकड़	प्रसिद्धि	रायगढ़	1	<u>2+3+4</u>	3 (पी)	07.3	
					<u>₹</u>			
				1	5	13	11.8	
						18 (पी)		
						14		
				57	1	1 (पी)	07.5	
				57	2	262 (पी)	04.0	
				57	3/1	272 (पी)	08.0	
				57	3/2	261 (पी)	16.4	
				57	5ए	257 (पी)	14.4	
				57	5/2	255 (पी)	12.6	
				57	<u>4+6+7</u>	254 (पी)	09.0	
					2			
				58	2	251 (पी)	01.2	
				56	1	256 (पी)	00.5	
				43	6ए	191 (पी)	07.0	
				43	6बी	192 (पी)	23.7	
				41	1	190 (पी)	02.2	
				44	1	193 (पी)	18.4	
				44	2	194 (पी)	23.0	
				44	4	198 (पी)	09.3	
				44	5	196 (पी)	02.5	
				39	0	163	08.0	
						164		
						166 (पी)		
						167		

1	2	3	4	5	6	7	8	9
20	श्रीगंगाव भाग (1)	प्रसिद्धांग	रायगढ़	5	0	12 (पी)		07.3
				4	0	18		19.7
						14 (पी)		
						19		
				14 ए	1	49 (पी)		08.6
				14 ए	2	50 (पी)		23.2
				14 ए	3	51 (पी)		01.5
				15	0	52 (पी)		02.0
20.	श्रीगंगाव (भाग 2)	प्रसिद्धांग	रायगढ़	34	0	130,		
						140		
						150 (पी)		
						137		
				35	3	2 (पी)		01.0
				34	4	150 (पी)		14.1
				35	5	151 (पी)		11.8
				36	0	153 (पी)		14.1
				33	1 (पी)			06.8
				37	1	156 (पी)		19.2
				37	2	159 (पी)		35.4
						160		
						107		
				45	0	194 (पी)		34.3
				44	3	190 (पी)		13.1
				43	36 (पी)			01.2
				43	15+ 3पी	187 (पी)		04.3
				43	12	188 (पी)		32.6
				43	4	189 (पी)		09.3
				43	1	196 (पी)		07.5
				47	2	197 (पी)		00.5
				47	3	198 (पी)		18.7
				47	5	112 (पी)		15.9
				49	1	207 (पी)		16.4
				49	2	207 (पी)		03.5
21.	पोयनाड	प्रसिद्धांग	रायगढ़	180	0 (पी)		1	03.2
				85	1 (पी)			02.2
				66	1 (पी)			26.8
				66	2 (पी)			15.4
				64	0 (पी)			08.5
				67	1 (पी)			32.6
				67	2 (पी)			04.0
				68	0 (पी)			59.6
				69	0 (पी)			10.1
				70	4 (पी)			00.7
22.	दांडेपुर	प्रसिद्धांग	रायगढ़	19	1 (पी)		1	16.6
				17	0 (पी)			01.0
				57	1 (पी)			03.0
				67	4 (पी)			16.6
				57	6 (पी)			15.1
				69	-(पी)			12.4
				69	-(पी)			15.1

1	2	3	4	5	6	7	8	9
22.	आंबपुर	अलिबाग	रायगढ़	68	1(पी)		06.3	
				68	2(पी)		03.7	
				68	4(पी)		00.2	
				68	5(पी)		00.5	
				65ए	(पी)		63.0	
23.	पेक्कारी	अलिबाग	रायगढ़	79	1(पी)		16.1	
				79	2(पी)		24.7	
				79	3(पी)		1.7	
				79	4/1(पी)		15.1	
				79	4(2)(पी)		7.8	
				86	5(2)(पी)		18.8	
				84	1(पी)		24.0	
				84	2(पी)		03.5	
				84	3(पी)		15.1	
				84	4(पी)		10.3	
				86	1(पी)		19.2	
				1	1(पी)		20.4	
				2	2(पी)		08.0	
				2	1(पी)		04.5	
				2	3(पी)		29.0	
				3	1(पी)		25.8	
				3	2(पी)		14.1	
				6	2(पी)		01.0	
				5	1(पी)		22.0	
				5	3(पी)		00.7	
				5	4(पी)		17.4	
				5	5(पी)		01.2	
				5	8(पी)		01.2	
				8	1(पी)		15.7	
				8	2(पी)		7.8	
				8	3(पी)		7.5	
				9	6(पी)		1.2	
				9	7(पी)		15.9	
				9	8(पी)		3.2	
				11	0(पी)		6.0	
24.	नक्कार संपदे	अलिबाग	रायगढ़	8	-(पी)		06.0	
				9	1ए(पी)		11.3	
				9	1बी] (पी)			
				9	3(पी)		25.0	
				10	2(पी)		24.0	
				10	3(पी)		04.0	
				4	4(पी)		06.3	
				4	2(पी)		04.8	
				4	3(पी)		18.9	
				5	1(पी)		29.0	
				5	3ए]		01.7	
				5	3बी] (पी)			
24.	गांवकार	अलिबाग	रायगढ़	6	1(पी)		07.3	
				6	2(पी)]		07.3	
				7	1(पी)]			
				7	2(पी)		03.0	
				8	1ए(पी)]		17.7	
				8	1बी (पी)]			
				8	(पी)		06.8	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				8	4ए } (पी)			12 9
				8	4ए } (पी)			
				8	8ए } (पी)		01 0	
				8	8बी } (पी)			
				8	1(पी)		08 3	
				8	5(पी)		08 8	
26. अरी	अलिबाग	रामगढ़	12	1(पी)			07 5	
			12	3(पी)			16 0	
			12	7(पी)			06 8	
			13	5(पी)			08 6	
			13	6(पी)			02 0	
			10	1/1(पी)			01 0	
			10	1/2(पी)				
			10	2(पी)			02 2	
			14	6(पी)			00 5	
			9	1(पी)			05 0	
			9	2(पी)			08 0	
			9	3(पी)			16 6	
			7	1(पी)			09 6	
			7	3(पी)			04 0	
			7	4(पी)			06 0	
			7	5(पी)			02 0	
			7	6(पी)			04 5	
			7	7ए } (पी)			07 3	
			7	7बी } (पी)				
			7	8(पी)			01 5	
			7	9/1 } (पी)			03 0	
			7	9/2 } (पी)				
			7	10(पी)			09 0	
			42	3(पी)			09 0	
			47	2(पी)			23 0	
			48	1ए + 3(पी) ॥			16 0	
			48	2(पी)			05 0	
26. बार कोपर	अलिबाग	रामगढ़	40	-(पी)			14 0	
			37	-(पी)			02 0	
			38	1पी + (पी)			46 0	
			35	4(पी)			00 5	
			35	3(3)(पी)			16 6	
			8	2(पी)			10 8	
			8	5ए(1)				
			8	5ए/2 } (पी)			14 6	
			8	5ए/(3) } (पी)				
			8	5ए(4)				
			9	2बी+बी			19 9	
				— (पी)				
			9	2बी+बी			5 8	
				— (पी)				
			9	2				
			9	1+2			6 5	
				— (पी)				
				ए				

संश्लेषण

इंडियन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि.

गहाराष्ट्र ईम काकर क. स्पेक्टर न. गोडारे

(Department of Chemicals &amp; Petrochemicals)

New Delhi, the 6th July, 1987

S.O. 1806.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum, oil, natural gas, effluent or any mineral from village Bendse Taluka Pen, District Raigad to village Khar Kopar Taluka Alibag, District Raigad in the State of Maharashtra, Pipelines should be laid through the agency of Indian Petrochemicals Corporation Limited, Maharashtra Gas Cracker Complex Division Vile Parle (W), Bombay;

And whereas, it appears to the Central Government that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the right of user in the lands described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals

Pipe Lines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (30 of 1962), the Central Government hereby notify their intention to acquire the right of user in the lands referred to in the schedule;

Any person interested in the said lands having any objection for laying the pipelines through the said lands may prefer an objection within 21 days from the date of the notification, to the Competent Authority, Indian Petrochemicals Corporation Limited, Maharashtra Gas Cracker Complex Division, Nagothane, Tahsil Roha, District Raigad.

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

(F. No. 34027/1/87-PC. III)

S. K. GUPTA, Desk Officer

## SCHEDULE

## Schedule to Notification under Section 3(1) of the Petroleum and Minerals Pipe Lines (Acquisition of Right of user in land) Act, 1962

## SCHEDULE

Sr. No.	Name of the Village	Tahsil	District	Survey No.	Hissa No.	Gat No.	Area	
							H.	R.
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	Bendse	Pen	Raigad	13	1 to 8(P)	—	37.0	
				12	1 (P)	—	29.0	
				12	3(2)A(P)	—	21.0	
					3(2)B			
				11 P	(P)	—	33.5	
				9	2 (P)	—	14.5	
				9	4 (P)	—	38.5	
				53	1 (P)	—	12.5	
				41	0 (P)	—	18.0	
				37	1 (P)	—	27.0	
2.	Zothirpada	Pen	Raigad	1	0 (P)	—	49.5	
				2	1 (P)	—	27.0	
				136	0 (P)	—	24.0	
				132	8 (P)	—	04.0	
				132	5 (P)	—	17.0	
				131	0 (P)	—	04.5	
				138	0 (P)	—	11.0	
				64	1 (P)	—	08.5	
				130	2 (P)	—	03.0	
				130	4 (P)	—	04.0	
				130	1 (P)	—	03.0	
				65	1 (P)	—	11.0	
				65	4 (P)	—	05.0	
				65	7 (P)	—	01.0	
				127	4 (P)	—	01.0	
				127	5 (P)	—	23.0	
				66	1 (P)	—	28.0	
				126	1 (P)	—	21.0	
				126	2 (P)	—	04.0	
				126	3 (P)	—	05.0	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				125	3 (P)		01 0	
				125	4 (P)		06 0	
				68	0 (P)		03.0	
				69	1 (P)		14.0	
				69	3 (P)		09.0	
				119	0 (P)		12.0	
				72	3 (P)		24.0	
				72	2 (P)		10.0	
				72	1 (P)		01 0	
				74	1 (P)		01.0	
				74	5 (P)		12 0	
				74	3 (P)		19.0	
				74	2 (P)		13.5	
				74	4 (P)		11.0	
				76	3 (P)		03 5	
				77	2A (P)		22.5	
				77	2B (P)		02.5	
				77	P—(P)		18.0	
				88	4 (P)		16.0	
				88	2 (P)		06.0	
3. Mundhami	Pen	Raigad		58 (P)	—		5.0	
				57 (P)	—		16.0	
				56 (P)	—		08 0	
				59 (P)	—		10.0	
				50 (P)	—		05.0	
				51 (P)	—		05 0	
				45 (P)	—		25.0	
				41A (P)	—		01.0	
				41B (P)				
				40(P)	—		26.0	
				39 (P)	—		07.0	
				8 (P)	—		07.0	
				32 (P)	—		02.0	
				33 (P)	—		03.0	
				30 (P)	—		07.0	
				214 (P)	—		04.0	
				34 (P)	—		00.5	
				29 (P)	—		15.0	
				212 (P)	—		23.0	
				27 (P)	—		14.0	
				26 (P)	—		05.0	
				25 (P)	—		01.0	
				16 (P)	—		07.0	
				17 (P)	—		05.0	
4. Ativali	Pen	Raigad	16	(P)	—	—	26.0	
			17	1 (P)	—	—	05.8	
			17	2 (P)	—	—	27.0	
			17	3 (P)	—	—	05.0	
			15	1 (P)	—	—	01.0	
			15	2 (P)	—	—	02.5	
			18	0 (P)	—	—	09 6	
			19	1A (P)	—	—	01.2	
			21	1 (P)	—	—	20.9	
			21	2 (P)	—	—	00.2	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				21	4 (P)	—	—	22.5
				22	0 (P)	—	—	08.6
				23	5 (P)	—	—	13.9
				23	6 (P)	—	—	04.3
				26	1 (P)	—	—	14.4
				26	2 (P)	—	—	29.0
				26	3 (P)	—	—	01.7
				26	4 (P)	—	—	07.8
				28	1 (P)	—	—	16.4
				28	2 (P)	—	—	13.0
				29	1 (P)	—	—	10.8
				29	3 (P)	—	—	07.3
				29	4 (P)	—	—	35.9
				30	2A (P)	—	—	02.2
				31	1 (P)	—	—	04.3
5. Gandhe	Pen	Raigad		19	0 (P)	—	—	07.8
				20	1 (P)	—	—	07.8
				20	2 (P)	—	—	05.5
				20	3 (P)	—	—	02.7
				18	3 (P)	—	—	03.5
				18	2 (P)	—	—	16.4
				17	1 (P)	—	—	05.0
				17	2 (P)	—	—	04.5
				17	3 (P)	—	—	17.9
				16	1 (P)	—	—	11.3
				16	2 (P)	—	—	20.4
				16	4 (P)	—	—	09.8
				14	1 (P)	—	—	03.2
				15	1 (P)	—	—	09.0
				15	2 (P)	—	—	13.6
				15	4 (P)	—	—	21.5
				15	5 (P)	—	—	02.2
				24	1 (P)	—	—	04.5
				24	3 (P)	—	—	26.8
				24	5 (P)	—	—	10.3
				25	2 (P)	—	—	29.5
				31	1 (P)	—	—	23.2
				31	3 (P)	—	—	02.0
				31	4 (P)	—	—	03.2
				31	5 (P)	—	—	11.3
				30	10 (P)	—	—	04.5
				30	12 (P)	—	—	21.7
				30	13 (P)	—	—	01.7
				29	2 (P)	—	—	19.7
				29	5 (P)	—	—	04.3
6. Chole	Pen	Raigad		11	0 (P)	—	—	24.0
				13	0 (P)	—	—	08.3
				14	1A (P)	—	—	01.0
				14	1B (P)	—	—	17.9
				15	1 (P)	—	—	24.0
				15	2A (P)	—	—	28.3
				16	0 (P)	—	—	31.5
				17	1A (P)	—	—	14.6
				17	1C (P)	—	—	10.0
				18	3 (P)	—	—	12.2

1	2	3	4	5	6	7	8	9
			18	4 (P)	—	—	—	01.7
			18	2 (P)	—	—	—	00.5
			18	5+6 (P)	—	—	—	24.5
			20	2 (P)	—	—	—	24.5
			22	1A (P)	—	—	—	07.5
			22	2A (P)	—	—	—	07.3
			22	2B (P)	—	—	—	05.5
			23	1A (P)	—	—	—	04.6
			23	1B (P)	—	—	—	08.3
			23	2 (P)	—	—	—	03.7
			23	3 (P)	—	—	—	07.8
			3	3 (P)	—	—	—	19.4
			24	1 (P)	—	—	—	01.7
			17	0 (P)	—	—	—	12.5
7. Durga-Darya	Alibag	Raigad	1	1 (P)	—	—	—	24.5
			1	2 (P)	—	—	—	01.8
			1	3 (P)	—	—	—	03.5
			1	4 (P)	—	—	—	01.0
			7	1 (P)	—	—	—	02.0
			7	2 (P)	—	—	—	05.5
			6	0 (P)	—	—	—	38.0
			3	1 (P)	—	—	—	52.4
			3	2 (P)	—	—	—	01.0
			4	0 (P)	—	—	—	06.8
8. Sambri	Alibag	Raigad	23	1 (P)	191	—	—	01.0
			24	3 (P)	115	—	—	14.9
			25	1 (P)	118	—	—	17.4
			25	2 (P)	114	—	—	03.5
			25	3 (P)	118	—	—	10.8
			25	4 (P)	119	—	—	03.2
			35	3 (P)	152	—	—	01.2
			35	6 (P)	151	—	—	13.4
			35	4 (P)	150	—	—	05.5
			35	7 (P)	149	—	—	02.2
			26	(P)	120	—	—	00.7
			32	2 (P)	146	—	—	30.0
			32	1A (P)	143	—	—	00.3
			32	1B (P)	145	—	—	12.9
			32	3 (P)	145	—	—	03.2
			33	0 (P)	147	—	—	00.7
			41	2A (P)	167	—	—	21.7
					168	—	—	
			42	1 (P)	177	—	—	17.8
			44	1 (P)	183	—	—	22.7
			44	4 (P)	184	—	—	11.3
			47	2 (P)	195	—	—	15.6
			47	3 (P)	197	—	—	14.9
			47	5 (P)	197	—	—	09.6
			46	3 (P)	194	—	—	05.8
9. Navkhar-Tarif Shrigaon	Alibag	Raigad	19	2 (P)	113	—	—	25.0
			18	1 (P)	119	—	—	19.0
					120	—	—	
			17	1 (P)	121	—	—	12.0
			17	2 (P)	126	—	—	11.0
			17	5 (P)	123	—	—	24.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				40	1 (P)	74	—	01.0
				39	1 (P)	75	—	17.0
				39	2 (P)	73	—	21.0
						42		
				39	4 (P)	71	—	10.0
				38	1 (P)	70	—	15.0
				36	3 (P)	67		
				36	1 (P)	68	—	07.5
				37	1 (P)	42		17.0
				37	2 (P)	174	—	0.5
				38	5 (P)	41	—	04.0
				37	4 (P)	45	—	11.0
						46		
				44	3 (P)	42	—	04.0
10.	Simadevi	Alibag	Raigad	11	6 (P)	—	—	03.2
				10	2 (P)	—	—	06.8
				10	3 (P)	—	—	04.3
				10	4 (P)	—	—	07.8
				10	5 (P)	—	—	00.2
				12	1 (P)	—	—	05.5
				12	2 (P)	—	—	11.3
				16	2 (P)	—	—	09.0
11.	Phansapur	Alibag	Raigad	9	2 (P)	41	—	14.0
				9	4 (P)	38	—	16.0
				8	2 (P)	41	—	14.0
				8	3 (P)	36		16.00
				8	4 (P)	37	—	14.5
				7	2A (P)	35	—	13.0
				7	2B (P)	30	—	01.0
				7	4 (P)	29	—	15.0
				6	7 (P)	28	—	02.5
				31	2 (P)	111	—	04.0
				32	1 (P)	115	—	19.0
						112		
				32	2 (P)	114	—	01.0
				32	3 (P)	116	—	14.0
				32	4 (P)	117	—	09.0
				32	5 (P)	188	—	02.0
						118		
				33	1 (P)	121	—	23.5
				33	3 (P)	123	—	03.5
				39	2 (P)	121	—	08.0
				39	5 (P)	139	—	14.0
				35	1 (P)	133	—	12.5
				38	2 (P)	138	—	14.0
				38	4 (P)	137	—	29.0
				40	1 (P)	146	—	10.0
				40	2 (P)	146	—	08.0
				40	3 (P)	151	—	01.5
12.	Kurdus	Alibag	Raigad	24A	2 (P)	107	—	00.7
				24C	(P)	108	—	00.3
				24D	4 (P)	—	—	09.8
				27	0 (P)	104	—	23.5
				26	1 (P)	113	—	02.3
				26	2 (P)	112	—	11.3
				26	3 (P)	111	—	00.3

1	2	3	4	5	6	7	8	9
13	Khar-Kopari	Alibag	Raigad	1	1 (P)	4	—	04.5
				1	2 (P)	3	—	02.7
				1	3 (P)	2	—	14.9
				1	5 (P)	2	—	23.7
				3	1 (P)	9	—	01.5
				4	2 (P)	10	—	12.6
				4	1 (P)	11	—	12.3
				5	1A (P)	18	—	12.3
				6	1 (P)	19	—	22.6
				6	2 (P)	9	—	02.0
				8	1 (P)	21	—	16.9
				8	2 (P)	33	—	11.6
				8	3 (P)	25	—	24.4
				8	5 (P)	14	—	03.7
				11	1 (P)	42	—	24.2
				11	2B (P)	3	—	03.0
				11	2C (P)	41	—	09.8
				12	2 (P)	45	—	23.2
				12	4 (P)	44	—	06.8
				12	5 (P)	45	—	03.2
				13	2A (P)	46	—	
				13	2B/1 (P)	47	—	16.9
				13	2B/2 (P)	47	—	
				14	5 (P)	54	—	05.5
				26	3 & (P)	103	—	10.8
					3B			
				24	1A (P)	101	—	02.0
						102	—	
				24	1B (P)	103	—	13.6
				24	2 (P)	101	—	25.0
				24	4A (P)	88	—	
				24	4B (P)	98	—	08.8
				22	2A (P)	85	—	
				22	2B (P)	85	—	02.5
				22	3 (P)	100	—	16.4
				23	2 (P)	89	—	03.7
				23	3 (P)	90	—	25.0
				23	4 (P)	88	—	00.7
14	Chikhali	Alibag	Raigad	32	1 (P)	107	—	01.0
				32	2A (P)	109	—	14.9
				32	3 (P)	102	—	16.9
				32	2B (P)	103	—	17.6
				32	4 (P)	108	—	04.3
				15	A/1 (P)	53	—	15.6
				15	A/3 (P)	51	—	06.0
				17	3 (P)	59	—	02.5
				31	4 (P)	101	—	06.8
				18	1 + 2B (P)	60	—	08.8
				18	1 + 2C (P)	52	—	10.0
				11	(2) (P)	30,31	—	30.0
				7	1(1) (P)	23,25	—	09.6
				7	1(2) (P)	24	—	09.8
				7A to	(P)	23,24,	—	15.0
				7 B		25	—	

1	2	3	4	5	6	7	8	9
14	Chikhali	Alibag	Raigad	7	2 (P)	19	—	09.8
				6	1A (P)	17	—	16.6
				6	4 (P)	16	—	18.4
15	Wagvira	Alibag	Raigad	1	1 (P)	3	—	02.5
				1	3 (P)	2	—	05.5
				1	5 (P)	8	—	04.8
				2	1 (P)	4	—	20.4
				2	5 (P)	16	—	05.5
				3	1 (P)	15,21	—	01.7
				3	2 (P)	17,19	—	31.0
				3	3 (P)	20	—	17.0
				5	2 (P)	26	—	0.2
				5	3 (P)	31	—	11.8
				5	1A + 4(P)	28	—	12.3
						28	—	12.3
					D			
				5	1B (P)	30	—	26.0
				6	1B (P)	32	—	17.9
				6	2 (P)	33	—	01.7
				6	3 (P)	32	—	08.8
				19	4 (P)	79	—	07.8
				20	1 (P)	85	—	09.8
				20	5A(P)	82	—	19.9
				20	2 (P)	81	—	03.0
				20	3 (P)	83	—	06.0
16	Pitkin	Alibag	Raigad	71	0 (P)	—	—	34.4
				70	1 (P)	298	—	0.2
				68	5 (P)	—	—	13.1
				66	1 (P)	277	—	07.3
				66	3 (P)	275,	—	12.6
						276	—	
				66	2 (P)	274	—	24.0
				64	1A (P)	—	—	10.3
				64	2A/1(P)	—	—	05.3
				64	1B (P)	—	—	20.2
				64	3A(P)	—	—	02.7
				64	2A/2(P)	—	—	08.3
				64	2B (P)	—	—	17.7
				61	4 (P)	—	—	02.7
				61	5 (P)	—	—	19.4
				62	1B (P)	—	—	0.7
				61	1C (P)	—	—	01.0
				62	2(P)	—	—	05.0
				62	3 (P)	—	—	14.6
				63	0 (P)	—	—	02.7
17.	Kusumbale	Alibag	Raigad	134	57	1D (P)	—	0.25
				135	58	(P)	—	65.0
				136	59	4 (P)	—	02.0
				139	63	5 (P)	—	02.0
				139	63	1 (P)	—	13.4
				139	63	2 (P)	—	27.8
				142	68	3 (P)	—	09.0
				142	68	4 (P)	—	06.5
				142	68	1 (P)	—	17.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
17. Kusumbale		Alibag	Raigad	143 69	7 (P)	—	—	08.8
				143 69	8A, 8B (P)	—	—	11.0
				143 69	3 (P)	—	—	15.6
				143 69	4 (P)	—	—	01.7
18. Khatvira		Alibag	Raigad	16	7 (P)	—	—	15.6
				16	6 (P)	64. 70	—	06.0
				16	8 (P)	66	—	01.5
				16	9 (P)	65	—	01.2
				13	1 (P)	51	—	01.0
				13	2 (P)	52	—	18.0
				13	7 (P)	50	—	08.0
				13	8 (P)	49	—	02.0
				13	9 (P)	48	—	15.4
				11	1 (P)	37	—	07.8
				11	2 (P)	47	—	10.0
				11	5 (P)	38	—	06.0
				10	1 (P)	35, 36	—	07.3
				8	2A/1 (P)	39	—	01.2
				8	2A (P)	39	—	20.0
				8	2B (P)	30	—	12.9
				6	1 (P)	24	—	11.3
				6	2 (P)	21	—	16.9
				6	3 (P)	17, 18, 19	—	36.0
				4	0 (P)	13, 14	—	19.9
19. Kalawad		Alibag	Raigad	1	2 + 3 + 4	3	—	07.3
						8 (P)		
				1	5 (P)	13, 18, 14	—	11.8
				57	1 (P)	1	—	07.5
				57	2 (P)	262	—	04.0
				57	3/1 (P)	272	—	08.0
				57	3/2 (P)	261	—	16.4
				57	5A (P)	257	—	14.4
				57	5/2 (P)	255	—	12.6
				57	4 + 6 + 7	254	—	09.0
						2 (P)		
				58	2 (P)	251	—	01.2
				56	1 (P)	256	—	00.5
				43	6A (P)	191	—	07.0
				43	6B (P)	192	—	23.7
				41	1 (P)	190	—	02.2
				44	1 (P)	193	—	18.4
				44	2 (P)	194	—	23.0
				44	4 (P)	198	—	09.3
				44	5 (P)	196	—	02.5
				39	0 (P)	163, 164,	—	08.0
						166, 167		
20. Shrigaon (Part I)		Alibag	Raigad	5	0 (P)	17	—	07.3
				4	0 (P)	18, 14, 19	—	19.7
				14 A	1 (P)	49	—	08.6
				14 A	2 (P)	50	—	23.2
				14 A	3 (P)	51	—	01.5
				15	0 (P)	52	—	02.0

1	2	3	4	5	6	7	8	9
20.	Shrigaon (Part II)	Alibag	Raigad	34	0 (P)	139, 140, 150, 137	—	40.4
				35	3 (P)	2	—	01.0
				34	4 (P)	150	—	14.1
				35	5 (P)	151	—	11.8
				36	0 (P)	155	—	14.1
				38	1 (P)	—	—	06.8
				37	1 (P)	156	—	19.2
				37	2 (P)	159, 160, 107	—	35.4
				45	0 (P)	194	—	34.3
				44	3 (P)	190	—	13.1
				43	3B (P)	—	—	01.2
				43	1A+3C(P)	187	—	04.3
				43	2 (P)	188	—	32.6
				43	4 (P)	189	—	09.3
				43	1 (P)	196	—	07.5
				47	2 (P)	197	—	00.5
				47	3 (P)	198	—	18.7
				47	5 (P)	112	—	15.9
				49	1 (P)	207	—	16.4
				49	2 (P)	207	—	03.5
21.	Poynad	Alibag	Raigad	180	0 (P)	—	1	05.2
				85	1 (P)	—	—	02.2
				66	1 (P)	—	—	26.8
				66	2 (P)	—	—	15.4
				64	0 (P)	—	—	08.5
				67	1 (P)	—	—	32.6
				67	2 (P)	—	—	04.0
				68	(P)	—	—	59.6
				69	(P)	—	—	10.1
				70	4 (P)	—	—	00.7
22.	Ambepur	Alibag	Raigad	19	1 (P)	—	1	16.6
				17	0 (P)	—	—	01.0
				57	1 (P)	—	—	03.0
				57	4 (P)	—	—	16.6
				57	6 (P)	—	—	15.1
				69B	(P)	—	—	12.4
				69A	(P)	—	—	15.1
				68	1 (P)	—	—	06.3
				68	2 (P)	—	—	03.7
				68	4 (P)	—	—	00.2
				68	5 (P)	—	—	00.5
				65A	(P)	—	—	03.0
23.	Pezari	Alibag	Raigad	79	1 (P)	—	—	16.1
				79	2 (P)	—	—	24.7
				79	3 (P)	—	—	1.7
				79	4/1 (P)	—	—	15.1
				79	4(2) (P)	—	—	7.8
				80	5(2)(P)	—	—	18.8
				84	1 (P)	—	—	24.0
				84	2 (P)	—	—	03.5
				84	3 (P)	—	—	15.1
				84	4 (P)	—	—	10.3

1	2	3	4	5	6	7	8	9
				86	1 (P)			19.2
				1	1 (P)			20.4
				2	2 (P)			08.0
				2	1 (P)			04.5
				2	3 (P)			29.0
				3	1 (P)			25.8
				3	2 (P)			14.1
				6	2 (P)			01.0
				5	1 (P)			22.0
				5	3 (P)			00.7
				5	4 (P)			17.4
				5	5 (P)			01.2
				5	8 (P)			01.2
				8	1 (P)			15.6
				8	2 (P)			7.8
				8	3 (E)			7.5
				9	6 (P)			1.2
				9	7 (P)			15.9
				9	8 (P)			3.2
				11	0 (P)			6.0
24	Navkhar Ra Rayande	Alibag	Raigad	8	(P)			06.0
				9	1A (P)			11.3
				9	1B (P)			11.0
				9	3 (P)			25.0
				10	2 (P)			24.0
				10	3 (P)			04.0
				4	4 (E)			06.3
				4	2 (P)			04.8
				4	3 (P)			18.9
				5	1 (P)			29.0
				5	3A (P)			
				5	3B (P)			01.7
25	Gaokhar	Alibag	Raigad	6	1 (P)			
				6	2 (P)			07.3
				7	1 (P)			07.3
				7	2 (P)			05.0
				8	1A (P)			17.7
				8	1B (P)			
				8 Pt.	(P)			06.8
				8	4A (P)			12.9
				8	4B (E)			
				8	6A (P)			01.0
				8	6B (B)			
				8 Pt.	(P)			08.3
				8	5 (P)			08.8

1	2	3	4	5	6	7	8	9
26	Chari	Alibag	Raigad	12	1 (P)			07.5
				12	3 (P)			16.0
				12	6 (P)			06.8
				13	5 (P)			08.6
				13	6 (P)			02.0
				10	1/1 (P)			01.0
				10	1/2 (P)			
				10	2 (P)			02.2
				14	6 (P)			00.5
				9	1 (P)			01.0
				9	2 (P)			08.0
				9	3 (P)			16.6
				7	1 (P)			09.6
				7	3 (P)			04.0
				7	4 (P)			06.0
				7	5 (P)			02.0
				7	6 (P)			04.5
				7	7A (P) } 7B (P) }			07.3
				7	8 (P)			01.5
				7	911 (P) } 912 (P) }			03.0
				7	10 (P)			09.0
				42	3 (P)			09.0
				47	2 (P)			23.0
				48	1A + 3 (P)			16.0
				48	2 (P)			05.0
27	Khar—Kopar	Alibag	Raigad	40	(P)			14.0
				37	(P)			02
				36	1 (Pt)			46
				35	4 (P)			00.5
				35	3(3) (P)			16.6
				8	2 (P)			10.8
				8	5A/1 (P) } 5A/2 (P) }			
				8	5A/3 (P) } 5A/4 (P) }			14.6
				9	2B + 3 (P)			19.9
					3 (P)			
				9	2B + 3 (P)			5.8
					2 (P)			
				9	1 + 2 (P)			6.5
					A			

## कोयला संचालन

(कोयला विभाग)

तई दिल्ली, 26 जून, 1987

का आ 1807—केन्द्रीय सरकार को यह प्राप्तीत होता है कि इसमें उपर्युक्त धनुसूची में उल्लिखित धूमि में कोयला अधिप्राप्त किये जाने की संभावना है,

प्रभृ. केन्द्रीय सरकार, कोयला धारक थोक (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की घारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस थोक में कोयले का पूर्वक्षण करने के अपने भाग्य की मूल्यना देती है,

इस अधिसूचना के अधीन आने वाले थोक के रेखांक म. वी भी सी गज/हेट्टी/86/61 तारीख 2 सितम्बर, 1986 का निरीक्षण उपायुक्त, धनबाद (विद्युत) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1—वाउचिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में या नियंत्रक (तकनीकी) परियोजना भारत कॉर्पोरेशन कोल लिमिटेड, कोयला भवन, डाकघर कोयला नगर, निया धनबाद (विद्युत) के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अधीन आने वाली धूमि में हिन्दूगु मर्मी अविक्षित उक्त अधिनियम की घारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट सभी नक्शां, खार्टों और अस्य वस्तावेजों को, कोयला धारक थोक (अर्जन और विकास) नियम, 1957 के नियम 5 द्वारा यथा अपेक्षित इस अधिसूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से मध्ये शिल के भीतर, नियंत्रक (तकनीकी) परियोजनायें, भारत कॉर्पोरेशन कोल लिमिटेड, धनबाद की सेवेंगे।

## धनुसूची

हुमारी विद्युत भावन परियोजना

(संस्था कोयला क्षेत्र)

## क्षेत्र प्रधिकार

क्र.सं.	ग्राम	थाना सं.	थाना	जिला	थोक एकड़ में	पूर्वक्षण के लिये अधिसूचित धूमि	दिवालिया
1.	राजगंगे	198	तोपचाची	धनबाद	194. 4 3	भाग	
2.	प्रवालिता	199	"	"	112. 00	"	
3.	बागदाहा	217	"	"	743. 97	"	
4.	पांचरी	220	"	"	138. 88	"	
5.	सलदाहा	200			270. 81	सम्पूर्ण	
6.	बलतानर	201	"	"	116. 63	भाग	
7.	मदुबोरा	214	"	"	213. 27	सम्पूर्ण	
8.	इलडली	215	"	" 1	376. 98	सम्पूर्ण	
9.	मोगदाहा	216	"	"	332. 31	"	
10.	भुश्या पहारामुर	233	"	"	337. 27	"	
11.	गोविल्लाडीह	221	"	"	570. 39	"	
12.	पटमाला	222	"	"	130. 92	भाग	
13.	लालचक	207	"	"	57. 53	भाग	
14.	तिलातानर	213	"	"	729. 10	सम्पूर्ण	
15.	गेडुबा	231	"	"	510. 87	"	
16.	फटमहू	212	"	"	384. 89	"	
17.	गरपोरिया	211	"	"	59. 52	"	
18.	जमुनियासंव	210	"	"	161. 69	भाग	
19.	नागरीकला	230	"	"	1180. 46	"	
20.	माहसाडीह	229	"	"	289. 86	"	
21.	बोग्याकला	228	"	"	1061. 42	"	
22.	रामगंग	226	"	"	158. 92	"	
23.	बासमूरी	224	"	"	312. 47	सम्पूर्ण	
24.	धरजोरी	225	"	"	267. 83	भाग	
25.	खंगोरा	209	"	"	176. 57	"	
26.	छोटाकर्मी	232	तोपचाची	धनबाद	192. 44	सम्पूर्ण	
27.	भूलनभाना	233	"	"	28. 16	भाग	

क्र.सं.	प्राम	बाना सं.	पाना	जिला	क्षेत्र एकड़ में	टिप्पणी
28.	रियापुर	234	"	"	141.34	सम्पूर्ण
29.	नरसिंहपुर	235	"	"	5.12	भाग
30.	गारांचक	236	"	"	40.96	सम्पूर्ण
31.	मरखोर	237	"	"	135.64	भाग
32.	किंगिपहाड़ी	238	"	"	10.24	भाग
33.	उदयपुर	84	गोविंदपुर	बनवाड	128.96	भाग
34.	छतपिछरी	85	"	"	71.42	भाग
35.	उदयवनी	208	तोपचांची	"	166.40	भाग

कुल क्षेत्र: 10134.33 एकड़ (लगभग)  
ग्रा 4102.96 हेक्टर (लगभग)

कुमारी विनृत बान परियोजना का सीमा वर्णन

क—क रेखा, बबाचिता और राजगंगे प्रामों से गुजरकर बिन्दु "क" से मिलती है।

ख—ग रेखा, बागदाल, पंचखोरी और उदयपुर प्रामों से गुजरकर बिन्दु "ग" से मिलती है।

ग—घ रेखा, उदयपुर, छोटपिछरी, पनमाल, बरसोरी और इनुनी प्रामों में से होकर जाती है और फिर बाबाकली की पूर्वी सीमा के साथ-साथ चलकर बिन्दु "घ" से मिलती है।

घ—ङ रेखा, बाबाकली से गुजरकर बिन्दु "ङ" से मिलती है।

ङ—च रेखा, बाबाकली, माहलडीह, बानरीकलीं और चंदोर प्रामों से गुजरकर बिन्दु "च" से मिलती है।

च—छ रेखा, चंदोर, भुज्यामन, नरसिंहपुर, किंगिपहाड़ी और लरखोर प्रामों से गुजरकर बिन्दु "छ" से मिलती है।

छ—ज रेखा, डनमालोरा, शाम से होकर बिन्दु "ज" से मिलती है।

ज—श रेखा, पश्चिमी सीमा के साथ साथ चलती हुई डनमालोरा प्राम में से होकर बिन्दु "श" से मिलती है।

श—अ रेखा, बमालोरा और जनुनिया प्रामों से गुजरकर बिन्दु "अ" से मिलती है।

अ—ट रेखा, उदयवनी, लालचक, बनेतावर और बबाचिता प्रामों से गुजरकर बिन्दु "ट" से मिलती है।

ट—ठ रेखा, बबाचिता प्राम से जुगरकर बिन्दु "ठ" से मिलती है।

ठ—क रेखा, बबाचिता प्राम से जुगर कर बिन्दु "क" से जिलती है।

[सं. 43016/17/86-सी.ए.]  
समय सितंबर, भवर सचिव

### MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1807:—Whereas it appears to the Central Government that it is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed:

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The Plan No. BCCL/ED/86/61 dated the 2nd September, 1986 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Dhanbad (Bihar) or in the office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta or in the Office of Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited, Koyala Bhavan, Post Office Koyala Nagar, District Dhanbad (Bihar).

Any person interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Director (Technical) Projects, Bharat Coking Coal Limited, Dhanbad within ninety days from the date of the publication of the notification in the Gazette of India as required by rule 5 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Rules, 1957.

**SCHEDULE**  
**Kumari Open Cast Project**  
**(Jharia Coalfield)**

Mining rights		Showing land to be notified for prospecting				
S. No.	Village	Thana No.	Thana	District	Area in acres)	Remarks
1.	Rajgange	198	Topchanchi	Dhanbad	194.43	Part
2.	Dhawachita	199	Topchanchi	Dhanbad	112.00	Part
3.	Bagdaha	217	Topchanchi	Dhanbad	745.97	Part
4.	Panchri	220	Topchanchi	Dhanbad	138.88	Part
5.	Saldaha	200	Topchanchi	Dhanbad	279.81	Full
6.	Balaitanr	201	Topchanchi	Dhanbad	416.63	Part
7.	Madhujora	214	Topchanchi	Dhanbad	213.27	Full
8.	Daldali	215	Topchanchi	Dhanbad	276.95	Full
9.	Sondaha	216	Topchanchi	Dhanbad	332.31	Full
10.	Bhuiyan Paharpur	223	Topchanchi	Dhanbad	337.27	Full
11.	Govindadih	221	Topchanchi	Dhanbad	570.39	Full
12.	Patmaha	222	Topchanchi	Dhanbad	133.92	Part
13.	Lalchak	207	Topchanchi	Dhanbad	57.53	Part
14.	Tilatant	213	Topchanchi	Dhanbad	729.10	Full
15.	Ganduba	231	Topchanchi	Dhanbad	510.87	Part
16.	Pbatmahu	212	Topchanchi	Dhanbad	384.89	Part
17.	Gargoria	211	Topchanchi	Dhanbad	59.52	Full
18.	Jamuniataud	210	Topchanchi	Dhanbad	161.59	Part
19.	Nagrikalan	230	Topchanchi	Dhanbad	1180.46	Part
20.	Mahlidih	229	Topchanchi	Dhanbad	281.66	Part
21.	Bawakalan	228	Topchanchi	Dhanbad	1061.42	Part
22.	Rajgange	226	Topchanchi	Dhanbad	158.92	Part
23.	Bansmuri	224	Topchanchi	Dhanbad	312.47	Full
24.	Dharjori	225	Topchanchi	Dhanbad	267.83	Part
25.	Khangora	209	Topchanchi	Dhanbad	176.57	Part
26.	Chhota Nagri	232	Topchanchi	Dhanbad	192.44	Full
27.	Bhulanbhanga	233	Topchanchi	Dhanbad	28.16	Part
28.	Sidhpur	234	Topchanchi	Dhanbad	141.34	Full
29.	Narsingpur	235	Topchanchi	Dhanbad	5.12	Part
30.	Garachak	236	Topchanchi	Dhanbad	40.96	Full
31.	Jharkhor	337	Topchanchi	Dhanbad	1155.64	Part
32.	Jhingipahari	238	Topchanchi	Dhanbad	10.24	Part
33.	Udaypur	84	Govindpur	Dhanbad	12.96	Part
34.	Chatpichhri	85	Govindpur	Dhanbad	71.42	Part
35.	Udalbani	208	Topchanchi	Dhanbad	166.40	Part

Total Area: 10134.33 acre (Approximately)

Line

**BOUNDARY DESCRIPTION OF KUMARI OPEN CAST PROJECT**

A-B Line passes through the villages Dhawachita and Rajgunge and meets at point "B".

B-C Line passes through the villages Rajdaha, Panchrukhi and Udaypur and meets at point "C".

C-D Line passes through the villages Udaypur, Chotpichhri, Patmaha, Dharjori and Ranguni and along the Eastern boundary of Bawakalan and meets at point "D".

D-E Line passes through the village Bawakalan and meets at point "E".

E-F Line passes through the villages Bawakalan, Mahlidih, Nagrikalan and Chandour and meets point "F".

F-G Line passes through the villages Chandour, Bhulanbhanga, Narsingpur, Jhingipahari and Jharkhor and meets at point "G".

G-H Line passes through the village Khamargora and meets at point "H".

H-I Line passes along the Western boundary and through the village Khamargora and meets at point "I".

I-J Line passes through the village Khamargora and Jamunia and meets at point "J".

J-K Line passes through the villages Udalbani, Lalchak, Balaitanr and Dhawachita and meets at point "K".

K-L Line passes through the village Dhawachita and meets at point "L".

L-A Line passes through the village Dhawachita and meets at point "A".

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 15 जून, 1987

का आ 1808—भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) का धारा 3 की उपशारण (1) के खंड (ब) के उपर्युक्त के भनुमरण में डा. गिरिजा धर का इस अधिसूचना के आदी किए जाने का तारीख से कामार विविधालय द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद का सदस्य नियमित किया गया है।

अब, केन्द्रीय सरकार, उन अधिनियम की धारा 3 की उपशारण (1) के अनुमरण में भारत सरकार के भूत्तूर्य स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संघो का, आ 138 स 3-13-59 एम आई नारेख 9 जनवरी 1960 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 की उपशारण (1) के खंड (ब) के अधीन नियमित” शब्द के सौचे कम भूष्य 31 और उससे संबंधित प्रतिलिपियों के स्थान पर निम्नलिखित वसंत लेखा और प्रतिलिप्य रखी जाएंगी अर्थात्—

“51. डा. गिरिजा धर, ईन,  
चिकित्सा मकान और प्रधानाचार्य,  
गजकीय चिकित्सा नहाविदालय,  
भीनगर”

[मुद्रा वी 11013/15/87-एम. ३ (पी)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE  
(Department of Health)

New Delhi, the 15th June, 1987

S.O. 1808—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956) Dr. Girija Dhar has been elected by the University of Kashmir to be a member of the Medical Council of India with effect from the date of issue of this notification.

Now, therefore, in pursuance of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Govt. of India in the late Ministry of Health, No. S.O. 138 (No. 5-13/59-MI), dated the 9th January, 1960, namely—

In the said notification, under the heading “Nominated under clause (b) of sub-section (1) of section 3” for serial number 51 and the entries relating thereto the following serial number and entry shall be substituted, namely—

“51 Dr. Girija Dhar,  
Dean, Faculty of Medicine &  
Principal, Govt. Medical College,  
Srinagar”

[No. V-11013/15/87-ME(P)]

नई दिल्ली, 19 जून, 1987

आदेश

का. आ 1809—केन्द्रीय सरकार ने भारा सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना म. एक 16-33/62 एम आई नारेख 1-3-63 द्वारा नियम दिया है कि “वैनर आक रीडिप्टर एक बैचल आक तारी श्री महा विविधालय चिकित्सा प्रहना भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1956 (1956 का 102) के प्रयोगनार्थ मान्यताप्राप्त चिकित्सीय घटना दर्शी।

और 1 डा. एमिक्षा पनि, 2 डा. एमिराप, 3 डा. गौने देवी, 4 डा. विज्ञापनि, 5 डा. गारी रमेश्य, 6 डा. रमेया नायक, 7. डा. मुमुक्षुमण्ड थिरोज, जो उक्त अहंता रखते हैं, तत्प्रथम पूर्व कार्य के प्रशंसनार्थ राज्य आयुर्विज्ञान परिषद से संबद्ध हैं।

अब केन्द्रीय सरकार, उन अधिनियम की धारा 14 की उपराय (1) के परन्तुके अक्ष (ग) के अनुसार म—

- (i) दो वर्ष तक संबंधित, या
- (ii) वह अवधि, जिसके द्वारा पूर्वोक्त डाक्टर उस दारा आयु विज्ञान परिषद, एमिक्षापु गे सम्बद्ध रहते हैं,

इसमें से जो भी लघुतर हो, उन अवधि के स्वरूप, जिस तक प्रबोध डाक्टर द्वारा चिकित्सा व्यवसाय संस्थित होता, विनियोग करते हैं।

[म वी 11016/11/86-एमई(पी)]

New Delhi, the 19th June, 1987

## ORDER

S.O. 1809.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. F 16-33/62-MI dated the 31-1-1963, the Central Government has directed that the medical qualification, “M.B.B.S”, Ceylon University shall be recognised medical qualification for the purpose of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956).

And whereas Drs. 1 Dr. Anbilapathy, 2. Dr. Elias, 3. Dr. Gowri Devi, 4. Dr. Srinivasan, 5 Dr. Gomathy Ramaih, 6. Dr. Pangethanayakey, 7 Dr. Muthusamy Subramanian Thambuji who possess the said qualification are for the time being attached to the State Medical Council, Tamil Nadu for the purposes of charitable work

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies :—

- (i) A period two years or;
- (ii) the period during which the aforesaid doctors are attached to the said State Medical Council, Tamil Nadu whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctors shall be limited.

[No. V 11016/11/86-ME(P)]

नई दिल्ली, 24 जून, 1987

का. आ 1810—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) दी धारा 11 की उपशारण (3) द्वारा भक्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद ने परामर्श करने के पावान, उस अधिनियम की पहली अनुमूली में नियमित धोर संसाधन कर्मी है, अर्थात्—

उस अनुमूली में कार्य विविधालय से संबंधित प्रतिलिप्यों के पर्याप्त, नियमित प्रतिलिप्या प्रत्यन्धापित की जाएंगी, प्रत्यात्—

गोष्ठी और विश्वविद्यालय, काट्टूप्रम, मैत्रेन

आफ इंडिसिन एफ बैचलर आफ संजरी एम.डी.एम.

नाट—उपर्युक्त अहंता यवि गार्मी जो विविधालय द्वारा मैट्रिक्स कालेज, काट्टूप्रम में प्रशिक्षित आर्ट्स को प्रदान की गई है तो मान्यता-प्राप्त चिकित्सा अहंता होती।

[म वी 11015/6/87-एम.ई. (पी)]

श. धी. निवागत, अन्य गवर्नर, (मा. ६)

New Delhi, the 24th June, 1987

S.O. 1810.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely—

In the said Schedule after the entries relating the University of Kerala the following entries shall be inserted namely —

Gandhi University Kettavam

Bachelor of Medicine and  
Bachelor of Surgery

M B B S

Note The above qualification shall be recognised medical qualification when granted by Gandhi University the students trained at Medical College Kottayam

[No V-1101916/87 ME(P)]

R SRINIVASAN, Under Secy

नगर विभाग संचालन

नई विली 2 जून 1997

जा. पा. 1911—यापु तिगम अधिनियम 1953 (1953 ना 27) वे खंड 4 द्वारा प्रदत्त शर्तियों का उल्लेख करने हुए अधिकार पर्याय और इष्टियन पर्याप्तादात्म के निवेशक-मण्डल का कार्यकाल 30 जून 1998 तक १५ दिन तक बढ़ायी है जिसमें निम्नलिखित प्रदर्शन होते —

एवर इंडिया

1 श्री रतन ताटा  
प्रबन्धक

2 श्री मवानन्द शेट्टी  
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक  
विजया बैंक

3 डा. शारनी सिन्हा  
प्रिमियर एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ बोर्ड  
ईंडियन एयरलाइंस

4 श्री विवेक भरतराम

5 श्री अरुण नन्दा  
ईंडियन एयरलाइंस

6 श्री बी. पन्नायक  
मप्रवन्ध मंत्रिय  
नागर विभाग संचालन

7 प्रबन्ध निदेशक, एवर इंडिया

8 वाणिज्यिक निदेशक  
एवर इंडिया

9 अध्यक्ष भारत यात्रार्थी विभाग संचालन गोश्वर्ग

10 प्रबन्ध निदेशक  
ईंडियन एयरलाइंस

इंडियन एयरलाइंस

1 श्री राहुल बजाज  
अध्यक्ष

2 श्री रमेश मार्टी  
अध्यक्ष एयरलाइंस

3 डा. प्रताप रेडी  
अध्यक्ष एयरलाइंस

4 श्री बाबू सी. दिवेश्वर  
अध्यक्ष वैलकम ग्रुप

5 डा. कफिल मिर्ज़ैज़ेम  
निदेशक टाटा प्रबन्ध प्रशिक्षण सम्पादन

6 श्री पी. सी. मेन  
मप्रवन्ध मंत्रिय  
न गर विभ नन मंत्रालय

7 श्रीमना गीत नन्दा  
(एव मलिना उद्यमी)

8 प्रबन्ध निदेशक,  
इंडियन एयरलाइंस

9 अध्यक्ष राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राप्तिकरण ।

10 प्रबन्ध निदेशक  
एवर इंडिया

11 प्राप्तन महानिदेशक

12 डा. वेणु श्री रघुनदामा

[का. स. एधी-18013/2/86 ना. ]

आर एन भारत, अवर सचिव

MINISTRY OF CIVIL AVIATION

New Delhi the 29th June, 1987

S O 1811 —In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Air Corporations Act 1933 (27 of 1953) the Central Government hereby extends the term of the Board of Directors of Air India and Indian Airlines for a further period of one year till 30th June, 1988 with the following members

Air India

1 Shri Ratan Tata,  
Chairman

2 Shri Sadanand Shetty  
CMD, Vijaya Bank

3 Dr. Dharmi Sinha,  
Principal,  
Administrative Staff  
College, Hyderabad

4 Shri Vivek Bharatram

5 Shri Arun Nanda,  
(Rediffusion, Bombay)

6 Shri V. Pattanayak,  
Joint Secretary,  
Ministry of Civil Aviation.

7 Managing Director,  
Air India

8 Commercial Director,  
Air India

9 Chairman,  
International Airport Authority of  
India

10 Managing Director  
Indian Airlines

1 Shri Rahul Bajaj  
Chairman,

2. Shri Russ Modi,  
Chairman, TISCO.
3. Dr. Pratap Reddy,  
Chairman,  
Apolo Hospital.
4. Shri Y.C. Deveshwar,  
Chairman, Welcome Group.
5. Dr. Francis Menezes,  
Director,  
Tata Institute of Management Training.
6. Shri P.C. Sen,  
Joint Secretary,  
Min. of Civil Aviation.
7. Smt. Ritu Nanda  
(A women entrepreneur).
8. Managing Director,  
Indian Airlines.
9. Chairman,  
National Airports Authority.
10. Managing Director,  
Air-India.
11. Director General,  
Tourism.
12. Shri Z.G. Rangoonwala.

[F.No.AV.18013/2/86-AA]  
R.N. BHARGAVA, Under Secy.

### अध्य भारतीय

नई दिल्ली, 26 जून, 1987

क्र. नं. 1812.—ओपोरिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 क्र. 14) की वारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, अधिकारीय फायर अण्ड इन्स्यरिन्ग के लि. के प्रबन्धालय से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच अनुवंश में निविट ओपोरिक विवाद में ओपोरिक अधिकारण मद्रास के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

### MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 26th June, 1987

S.O. 1812.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal Madras as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the Oriental Fire & General Insurance Co. and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th June, 1987.

BEFORE THIRU FYZEE MAHMOOD, B. Sc., B.L.,  
PRESIDING OFFICER, INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
TAMILNADU, MADRAS

(Constituted by the Central Government)

(Tuesday, the 26th day of June, 1987)

Industrial Dispute No 52 of 1985

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 between the workmen and the Management of The Oriental Fire & General Insurance Co. Ltd. Madras-1)

### BETWEEN

The workmen represented by  
The General Secretary,

The Oriental Fire & General Insurance,  
Employees Association, UIL Building, IV Floor,  
8, Esplanade, Madras-600001.

AND

The Regional Manager,  
The Oriental Fire & General Insurance Co. Ltd.,  
UIL Building, IV Floor, 8, Esplanade,  
Madras-600001.

### REFERENCE :

Order No. I-17012/45/84-D IV(A), dated 2-7-1985 of the Ministry of Labour, Government of India, New Delhi.

This dispute coming on this day for final disposal in the presence of Thiruvalargal Row and Reddy and V. Prakash, Advocate for the workmen and of Thiru A. R. Ramanathan, Advocate for the Management upon perusing the reference, claim and counter statements and other connected papers on record and the parties having filed a joint memo and recording the same, this Tribunal passed the following

### AWARD

This dispute between the workmen and the Management of The Oriental Fire and General Insurance Company Limited Madras-1 arises out of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 by the Government of India in its Order No. I-17012/45/84-D IV(A), dated 2-7-1985 of the Ministry of Labour for adjudication of the following issue :—

“Whether the action of the management of Oriental Fire & General Insurance Co. Ltd., Madras in terminating the services of S/Sh Selvaraj and Suresh, sub-staff is justified? If not, to what relief are the workmen concerned entitled?”

### 2 Parties were served with summons.

3. The Petitioner-Union filed its claim statement on 16.5.1986 putting forth the claim of the workmen. In repudiation thereof, the Management filed their counter statement on 12-9-1986.

4. After several adjournments, when the dispute was taken up for enquiry a joint memo was filed by the parties praying to pass an award in terms of joint memo. It is recorded.

5. Hence an award is passed in terms of the memo filed, No costs.

Date, this 9th day of June, 1987

(Sd)  
FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal

### ANNEXURE

BEFORE THE HON'BLE INDUSTRIAL TRIBUNAL AT  
MADRAS

(Central Government Tribunal)

J.D. No. 52 of 1985

The workmen of Oriental Fire and General Insurance Employees Association (now known as GC Employees Union-S. Zone), Madras-1.

...Petitioner.

Vs

Management of Oriental Fire and General Insurance Co. Ltd., Madras-1 (now known as Oriental Insurance Co. Ltd., Respondent-Management).

### JOINT MEMO OF COMPROMISE FILED BY THE PARTIES

1. It is agreed that the Management will give Regular appointment to M/s Selvaraj and Suresh in the Grade of sub-staff.

2. It is agreed that this appointment orders to them will be issued on or before 1st July 1987 to enable them to join duty.

3. It is agreed that the concerned workmen may apply for the question of backwages separately and the management will consider the same.

An award may be passed in the above terms.

Dated at Madras, this 9th day of June, 1987.

(Sd)-  
A. R. Ramanathan,  
Counsel for Management.  
(Sd)-.....  
For Management.

(Sd)-

Row and Reddy Counsel for Petitioner/Workmen.  
(Sd).....  
Secretary, Oriental Fire and  
General Insurance Employees  
Association (now known as  
GIC Employees Union S. Zone)  
Madras-1.

FYZEE MAHMOOD, Industrial Tribunal  
[No. L-17012/45/84-D. IV (A)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer  
नई दिल्ली, 29 जून, 1987

का. आ. 1813.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 16 के अनुसार में केन्द्रीय सरकार जा. वेद प्रकाश, चिकित्सा भायुक, कर्मचारी राज्य बीमा नियम को अपने कार्यालय के अधिनियम 29 जून, 1987 के पूर्णांग से कर्मचारी राज्य बीमा नियम के कार्यवाहक मानविकेशक के रूप में उक्त पद के नियमित रूप में भरे जाने तक नियुक्त करती है।

[संख्या ए/12026/3/87 एस.एस. (1)]

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1813.—In pursuance of section 16 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government appoints Dr. Ved Prakash, Medical Commissioner, Employees' State Insurance Corporation as Acting Director General, Employees' State Insurance Corporation (ESIC), with effect from the forenoon of 29th June, 1987, in addition to his own charge, till a regular incumbent is posted.

[No. A/12026/3/87-SS-I]

नई दिल्ली, 1 जूलाई, 1987

का. आ. 1814—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकारण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपचार सम्बन्धित स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

1. मैसर्स ईस्टन लैवर, नं. 91 भुवे स्ट्रीट, मद्रास-1

2. मैसर्स शंकर सेल्स एण्ड सर्विस, नं. 198, लिंगमोहन चंडी स्ट्रीट, मद्रास-1

3. मैसर्स विरगो ट्रास्पोर्ट, 56 रामाल्लामी स्ट्रीट, मद्रास-1

4. मैसर्स वालपुरम फैशन, 11 जी. पी. मुद्राली स्ट्रीट, मद्रास-2

5. मैसर्स एमटैक कंसलटेंट्स अूरो, ज्ञामी विलिंग, 63 भार एच रोड, मलापुर, मद्रास-4

6. मैसर्स मयलापुर टेलीफोन प्रॉसेसिंग टिफिन रूप, 166 लुज चर्च रोड, मद्रास-4

7. मैसर्स ओरिएप्टल इलैक्ट्रीकल कारपोरेशन, 42 रोयाल रोड  
मद्रास-2

8. मैसर्स ग्लोब सिस्टरेटी इंजीनीय नं. 21 बी अवंशी रोड, कियायाक, मद्रास-10

9. मैसर्स विजय कंसट्रक्शन, 23 शोगुरम प्रयम स्ट्रीट, मद्रास-14

10. मैसर्स नायडू इंजिनियरिंग कारपोरेशन, 75वीं प्रमाणस्वामी कोएल स्ट्रीट, मद्रास-19

11. मैसर्स डोलक्स टूल्स, सोनहर्म, 24 सी, तैनवा रोड, मद्रास-29

12. मैसर्स कन्सूलेट जनरल प्राफ जापान, 60 सुर ईक रोड, चेन्नै-  
पुर, मद्रास-3

13. मैसर्स वारफोर इंजिनियरिंग (प्राइवेट) लिमिटेड, बी-14, इंडस्ट्रीयल स्ट्रीट, गुर्जर, मद्रास-32

14. मैसर्स श्रीनारायण मिशन हायर सेकंडरी स्कूल, 54 ईश्वरन कोएल स्ट्रीट, वैस्ट मैन्यालाम, मद्रास-33

15. मैसर्स शंकर कंसट्रक्शन, 4 पाचवी गली, गोपालपुरम, मद्रास-86

16. मैसर्स अरिया चानवेल इंडस्ट्री, 3-134ए 4 एचमे 5 सापूर रोड, शिवाकाशी

17. मैसर्स पराशकिं कायरवर्क्स इंडस्ट्रीज, 1ए अपनी नादर स्ट्रीट, शिवाकाशी-123

18. मैसर्स परफैक्ट प्राइवेट, 3-134 एच सदूर रोड, शिवाकाशी-113

19. मैसर्स उदय कुमार माईन राइस मिल, 315/1 पूर्व इवी रोड, नियमिङ्ग, सेलम-2

20. मैसर्स इंजिनियरिंग कंसलटेंट्स एण्ड कंस्ट्रक्टर, वैलकम विलिंग  
69 पैरानूर मेन रोड, सेलम-7

21. मैसर्स लक्ष्मण लारी सर्विस, 251 रेलवे फीडर रोड, चातूर-203

22. मैसर्स राजादुर्ग राइस मिल, 1/234 सरायामाति (बाया सेंटर)

23. मैसर्स श्री अर्वल काटेज इंडस्ट्रीज 358/2 सेलम मेन रोड, कोपालायाम-183 सेलम कस्बा

24. मैसर्स हेंड्रनूम पैग्डाइज, पोस्ट बॉक्स नं. 109 चिराप्पेक-  
नपालायाम, कोपालायाम-183

25. मैसर्स जैड ए-98, बायामाति ए. एप. सी. एप. चिमिट्टै, केनेरीराजपुरम पोस्ट नैगीलाम तालुक, तमिनराडू

26. मैसर्स जैड ए-112 कोट्टवेरो कोओरेरेटिव एग्रोकल्चरल बैंक  
लिमिटेड, कोट्टवेरी-703

27. मैसर्स जैड ए 95 शाहदेहर एग्रोकल्चरल नियंत्रण-प्रो-प्रोप्रेटिव  
सोसाइटी लिमिटेड, इरावेवरो (एम ओ) 501

28. मैसर्स जैगम को-एग्रो-प्रेटिव मिल प्रोड्यूर्स सोसाइटी लिमिटेड चेन  
तालुक एम ए कस्बा

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त घारा नियम को वारा 1, को उद्घारा 4 द्वारा प्रवास शक्तियों का प्रयाग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापनों को लागू करते हैं।

[संख्या एस-35019(17)/87-एस.एस. II]

ए. के. मद्रासाई, ग्रन्ट चैम्बर

New Delhi, the 1st July, 1987

S.O. 1814.—Whereas it appears to the Central Government that the employees and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to their respective establishments, namely,

1. M/s Eastern Leather Agency, No. 91, Moore Street, Madras-1.
2. M/s Shanker Sales and Service, No 198 Linghi Chetty Street, Madras-1.
3. M/s Virgo Transport, 56, Ramasamy Street, Madras-1.
4. M/s Volume Fashions, 11, G. P. Mudali Street, Madras-2.
5. M/s Entech Consultancy Bureau, Jammi Buildings, 63, R. H. Road, Mylapore, Madras-4.
6. M/s Mylapore Telephone Exchange Tiffin Room, 166, Luz Church Road, Madras-4.
7. M/s Oriental Electrical Corporation, 42 Rithardon Road, Madras-7.
8. M/s Globe Security Agency, No. 21, New Avadi Road, Kilpeuk, Madras-10.
9. M/s Vaigai Construction, 23, Stripuram First Street, Madras-14.
10. M/s Naidu Engineering Corporation, 73-B, Apparawamy Koil Street, Madras-19.
11. M/s. Deluxe Tools and Moulders 24-C Nelson Road, Madras-29.
12. M/s Consulate General of Japan, 60 Spur Tank Road, Chetput, Madras-31.
13. M/s. Barfours Engineers (Private) Limited, B-4, Industrial Estate, Guindy, Madras-32.
14. M/s Sree Narayana Mission Higher Secondary School, 54, Eswaran Koil Street, West Mambalam Madras-33.
15. M/s Sankar Constructions, 4, 5th Street, Gopalapuram, Madras-86.
16. M/s. Ariva Grindell Industry, 3—134, A 4 and 5 Sattur Road, Sivakasi.
17. M/s Parasakthi Fire Works Industries, I-A Avani Nagar Street, Sivakasi-123.
18. M/s Perfect Grinders, 3—134-H, Sattur Road, Sivakasi-113.
19. M/s Udhayakmar Modern Rice Mill, 315/1 Pathur Iteri Road, Nethimedu, Salem-2.
20. M/s Engineering Consultants and Contractors, Welcome Building 69, Perambur Main Road, Salem-7.
21. M/s. Lakshmanan Lorry Service, 251, Railway Feeder Road, Sattur-203.
22. M/s Rajadurai Rice Mill, 1/234, Sadayampatty (Via-Sattur)
23. M/s Sree Andal Cottage Industries, 358/2, Salem Main Road, Komarapalayam-183, Salem District.
24. M/s Handloom Paradise Post Box No. 109, Chinappanaichenpalayam, Komarapalayam-183.
25. M/s Z.A. 98, Vadamattam A.S.C.S. Limited, Konerirajapuram, Post Nannilam Tk.
26. M/s Z.A. 112, Koradacheri Co-operative Agricultural Bank Limited, Koradacheri-703.

27. M/s Z.A. 95, Thethiy Agricultural Service Co-operative Society Limited, Eravancherry (SO)501.
28. M/s Chengam Co-operative Milk Producers Society Limited, Chengam TK, N.A. District.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the above mentioned establishments.

[S. 35019(17)/87-SS-11]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

नई दिल्ली, 29 जून, 1987

का. घा. 1815.—केन्द्रीय सरकार ने यह सम्पादन हो गये पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की घारा 2 के खंड (d) के खंड (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम संकालय की अधिसूचदा संस्था का घा. 85/22 दिसंबर 22 दिसंबर, 1986 द्वारा किसी भी

ब्राम्ज तेल कच्छा तेल) मोटर और विमानस्त्र स्पिरिट, डीजल तेल मिट्टी का तेल इंधन तेल, विविध हाइड्रोकार्बन तेल और उनके मिश्रण, जिनमें मिनर्येटिक हृष्टन, स्नोहक तेल और इसी प्रकार के तेल शामिल हैं, के नियमित या उत्पादन में लगे उत्पादन में सेवाओं को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 जून, 1987 से छह मास की ओर कालावधि के लिए उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की गये है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की ओर कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की घारा 2 के खंड (d) के अपनांड (6) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा, केन्द्रीय सरकार उक्त उपयोग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 30 जून, 1987 में छह मास की ओर कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

(म एस 11017/2/84-डी 1 (ग.)

New Delhi, the 29th June, 1987

S.O. 1815.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. No. 85 dated the 22nd December, 1986 the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil), motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months from the 30th December, 1987;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 30th June, 1987.

[No. S-11017/2/84-D.I(A)]

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. घा. 1816.—केन्द्रीय सरकार ने यह सम्पादन हो गये पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 34) की घारा 2 के खंड (d) में उपबंध (6) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम संकालय को

अधिसूचना संख्या का. अ. 87 दिनांक 24 दिसम्बर, 1986 द्वारा बैंक नाट प्रेस डेवास (मध्य प्रदेश) को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 15 जनवरी, 1987 से छह म.म की कालावधि के लिए उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केंद्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अनु: अब, शोधार्थीक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (इ) के उपखंड (4) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उपयोग को उक्त अधिनियम के प्रयोग के लिए 15 जुलाई, 1987 से ७ मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित करती है।

[सं. एम 11017/14/85 डी 1 (ए)]

New Delhi, the 30th June, 1987

S.O. 1816.—Whereas the Central Government having satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry Labour S.O. No. 87 dated the 24th December, 1986 the Bank Note Press, Dewas (MP) to be a public utility service for the period of six months, from the 15th January, 1987;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires that extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 15th July, 1987.

[No. S-11017/14/85-D. I(A)]

का. अ. 1817:—मिनेमा कर्मकार और सिनेमा थियेटर कर्मकार (नियोजन का विनियन) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 2 के खंड (ए) के अनुमति में केंद्रीय सरकार, निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम (2) में की गई संगत प्रविष्टि में विनियिष्ट शेत्र के लिए उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी नियुक्त करती है:

सारणी

शेत्र

अधिकारी का पदनाम

(1)

(2)

1. श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर ममस्त गज्य

2. श्रमायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त नर्स और श्रमायुक्त और उप श्रमायुक्त।

3. श्रमायुक्त, कानपुर के कार्यालय समस्त गज्य में नियुक्त यूनियन विकास अधिकारी

4. केंद्रीय अपर श्रम श्रमायुक्त कानपुर शेत्र जिसके प्रत्यक्ष कानपुर शेत्र, कानपुर नेहरू, इटावा फारूखाबाद और उत्ताव जिसे आते हैं।

1	2
5. केंद्रीय उप श्रमायुक्त, इलाहाबाद शेत्र जिसके प्रत्यक्ष इलाहाबाद और फारूखाबाद जिसे आते हैं।	
6. केंद्रीय उप श्रमायुक्त, मेरठ भूपतिगढ़नगर और सहारनपुर जिसे आते हैं।	
7. केंद्रीय उप श्रमायुक्त, आगरा आगरा शेत्र जिसके प्रत्यक्ष आगरा, अलीगढ़, मधुरा, मैनपुरी और इटावा जिसे आते हैं।	
8. केंद्रीय उप श्रमायुक्त, बरेनी बरेनी शेत्र, जिसके प्रत्यक्ष बरेनी बावाल, पीलीभीत, और शाहजहांपुर जिसे आते हैं।	
9. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, लखनऊ लखनऊ शेत्र, जिसके प्रत्यक्ष लखनऊ, हरिहरी लखनपुर खेरी, रायबरेली और सीतापुर जिसे आते हैं।	
10. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, गोरखपुर गोरखपुर, खसी, वैष्णवीया और आजमगढ़ जिसे आते हैं।	
11. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, गानियाबाद गानियाबाद शेत्र, जिसके प्रत्यक्ष गानियाबाद और बुलसदाहर जिसे आते हैं।	
12. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, गढ़वाल, देहरादून गढ़वाल, चमोली, गढ़वाल (पौड़ी) देहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिसे आते हैं।	
13. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, कुमाऊं शेत्र जिसके प्रत्यक्ष नैनीताल, अलमोदा और पिथौरागढ़ जिसे आते हैं।	
14. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, वाराणसी वाराणसी शेत्र जिसके प्रत्यक्ष वाराणसी गजीपुर, बलिया और जोनपुर जिसे आते हैं।	
15. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, मुरादाबाद मुरादाबाद।	
16. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, फैजाबाद।	
17. केंद्रीय उप श्रम श्रमायुक्त, झासी।	
18. केंद्रीय श्रम श्रमायुक्त, (पिपरी) मिर्जापुर।	

[एम-61011/1/87-डी-1 (ए) (2)]

S.O. 1817:—In pursuance of clause (d) of section 2 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby authorizes the Officers of the Government of Uttar

Pradesh mentioned in column (1) of the Table, to perform the functions of the Competent Authority under the said Act for the area specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table :—

Table

Designation of the Officer	Area
1	2
1. Labour Commissioner, Whole of the State. Uttar Pradesh, Kanpur.	
2. All Additional Labour Commissioners and Deputy Labour Commissioners appointed in the office of the Labour Commissioner, Uttar Pradesh, Kanpur.	Whole of the State.
3. Union Vikas Officer appointed in the Office of the Labour Commissioner, Kanpur.	Whole of the State.
4. Regional Additional Labour Commissioner, Region, Kanpur.	Kanpur region comprising Kanpur Shahar, Kanpur Dehat, Etawah, Farrukhabad and Unnao Districts.
5. Regional Deputy Labour Commissioner, Allahabad.	Allahabad Region comprising Allahabad and Faizabad Districts.
6. Regional Deputy Labour Commissioner, Meerut.	Meerut Region comprising Meerut, Muzaffarnagar and Saharanpur Districts.
7. Regional Deputy Labour Commissioner, Agra.	Agra Region comprising Agra, Aligarh, Mathura, Mainpuri and Etah Distt.
8. Regional Deputy Labour Commissioner, Bareilly.	Bareilly region comprising Bareilly, Badaun, Pilibhit and Shahjahanpur Districts.
9. Regional Deputy Labour Commissioner, Lucknow.	Lucknow region comprising Lucknow, Hardoi, Lakhimpur Kheri, Raebareli and Sitapur Districts.
10. Regional Deputy Labour Commissioner, Gorakhpur.	Gorakhpur region comprising Gorakhpur, Basti, Deoria and Azamgarh Distt.
11. Regional Deputy Labour Commissioner, Ghaziabad.	Ghaziabad region comprising Ghaziabad and Bulandshahar Districts.
12. Regional Deputy Labour Commissioner, Garhwal, Dehra Dun.	Garhwal Region comprising Dehradun, Chamoli, Gathwal (Pauri) Tehri Garhwal and Uttarkashi Districts.
13. Regional Deputy Labour Commissioner, Kumaun Region, Haldwani (Naini Tal).	Kumaun region comprising Naini Tal, Almora and Pithoragarh Districts.
14. Regional Deputy Labour Commissioner, Varanasi.	Varanasi region comprising Varanasi, Gajipur, Banda and Jauhar Districts.
15. Regional Deputy Labour Commissioner, Moradabad.	Moradabad region comprising Moradabad, Rampur and Bijnor Districts.

1	2
16. Regional Deputy Labour Commissioner Faizabad.	Faizabad region comprising Faizabad, Bahraich, Barabanki, Gonda, Pratapgarh and Sultanpur Districts.
17. Regional Deputy Labour Commissioner, Jhansi.	Jhansi region comprising Jhansi, Lalitpur, Banda, Hamirpur and Jalalpur Districts.
18. Regional Labour Commissioner, (Mirzapur) Mirzapur.	Mirzapur region comprising Mirzapur District only.

[F.No. S-61011/1/87-D.I(A)(ii)]

का.पा. 1818 :—सिनेमा कर्मकार और सिनेमा थिएटर कर्मकार (नियोजित का विनियम) अधिनियम, 1981 (1981 का 50) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त गान्धीरों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार नियन्त्रित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों को उक्त सारणी के कालम (2) में की गई संगत प्रविष्टि में विनियिष्ट क्षेत्र के लिए उक्त अधिनियम के प्रधान संराजन अधिकारियों के रूप में कार्य करने के लिए प्राप्तिकृत करती है—

## सारणी

प्रधिकारी का पदनाम	क्षेत्र
1	2
1. (1) उप रजिस्ट्रार, देहरादून यूनियन, उत्तर प्रदेश कानपुर	समस्त राज्य
1. (2) सहायक रजिस्ट्रार, देहरादून यूनियन, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
2. सभी उप यूनियन निरीक्षक, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
3. अभायुक्त, उत्तर प्रदेश, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त सभी अम अधिकारी, संराजन अधिकारी, और सहायक अम अधिकारी।	समस्त राज्य
4. वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
5. दुकानों और व्यावसायिक प्रति- एकानों के उप सूच्य निरीक्षक, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
6. स्थाई भादेल अधिकारी, उत्तर प्रदेश, कानपुर	समस्त राज्य
7. क्षेत्रीय अपर्याप्त अम आयुक्तों, कानपुर क्षेत्र, कानपुर के कार्यालय में नियुक्त सभी संराजन अधिकारी, और अम अधिकारी।	समस्त राज्य
8. क्षेत्रीय उप-अम आयुक्त, इलाहाबाद क्षेत्र, इलाहाबाद के कार्यालय में नियुक्त सभी संराजन अधिकारी, और अम अधिकारी।	इलाहाबाद क्षेत्र जिसमें इलाहाबाद और फतेहपुर जिले शामिल हैं।

1	2	3
9. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, मेरठ भेद जिसमें मेरठ, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जिले शामिल हैं।	मेरठ भेद जिसमें मेरठ, मुजफ्फरनगर और सहारनपुर जिले शामिल हैं।	21. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, मिर्जापुर भेद, मिर्जा-पुर के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।
10. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, आगरा भेद, आगरा के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	आगरा भेद जिसमें आगरा, मलीगढ़, मधुरा, मैनपुरी और इटावा जिले शामिल हैं।	मिर्जापुर भेद जिसके प्रत्यक्षत भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, मिर्जापुर भेद, मिर्जा-पुर के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।
11. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, बरेली भेद, बरेली के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	बरेली भेद जिसके अंतर्गत बरेली, बदायूँ, पीलीगढ़ी और गाहजहांपुर जिले शामिल हैं।	(एस 61011/2/87 भी 1 (ए) (१) नव लाल, भवर सचिव
12. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, लखनऊ भेद, लखनऊ के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	लखनऊ भेद जिसके अंतर्गत, लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर जिले गाय और सीतापुर जिले शामिल हैं।	S.O. 1818 :—In exercise of the powers conferred by section 4 of the Cine-Workers and Cinema Theatre Workers (Regulation of Employment) Act, 1981 (50 of 1981), the Central Government hereby appoints the Officers of the Government of Uttar Pradesh mentioned in Column (1) of the Table below, to be Conciliation Officers for the purposes of the said Act, for the area specified in the corresponding entry in Column(2) of the said Table :—
13. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, गोरखपुर भेद, गोरखपुर के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	गोरखपुर भेद जिसके अंतर्गत गोरखपुर, बाई, देवरिया और ग्रामपालिका जिले शामिल हैं।	Table
14. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, गाजियाबाद भेद, गाजियाबाद के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	गाजियाबाद भेद, जिसके अंतर्गत गाजियाबाद और बुलन्दशहर जिले शामिल हैं।	Designation of the Officer
15. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, गढ़वाल भेद, देहरादून के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	गढ़वाल भेद जिसके अंतर्गत देहरादून, चमोली, गढ़वाल (पीडी), देहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी जिले शामिल हैं।	Area
16. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, कुमाऊँ भेद, हल्दारी, नैनीताल के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	कुमाऊँ भेद जिसमें नैनीताल, मलमोहा और पिपीरागढ़ जिले शामिल हैं।	1
17. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, बाराणसी के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	बाराणसी भेद जिसके अंतर्गत बाराणसी गाँवशाही, बलिया और जौनपुर जिले शामिल हैं।	2
18. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, मुराशबाद भेद, मुराशबाद के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	मुराशबाद भेद जिसके अंतर्गत मुराशबाद, समपुर और जिले बिजीबीर शामिल हैं।	1. (i) Deputy Registrar, Trade Unions, Uttar Pradesh, Kanpur.
19. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, फैजाबाद भेद, फैजाबाद के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	फैजाबाद भेद जिसके अंतर्गत फैजाबाद, बहराईच, बाराबंकी गांडा, प्रतापगढ़ गढ़ और सुल्तानपुर जिले शामिल हैं।	(ii) Assistant Registrars, Trade Unions, Uttar Pradesh, Kanpur.
20. भेदीय उप श्रम प्रायुक्ति, शासी भेद, शासी के कार्यालय में नियुक्त सभी संराधन प्रधिकारी और अन्य प्रधिकारी।	शासी भेद जिसके अंतर्गत शासी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर और जासोन जिले शामिल हैं।	2. All Trade Union Inspectors, Uttar Pradesh, Kanpur.
		3. All Labour Officers, Conciliation Officers and Assistant Labour Officers appointed in the office of the Labour Commissioner, Uttar Pradesh, Kanpur.
		4. Senior Research Officer, Uttar Pradesh, Kanpur.
		5. Deputy Chief Inspector of Shop and Commercial Establishment, Uttar Pradesh, Kanpur.
		6. Standing Orders Officer, Uttar Pradesh, Kanpur.
		7. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Additional/ Deputy Labour Commissioner, Kanpur Region, Kanpur.
		Kanpur region which includes Kanpur Shahar, Kanpur Dehat, Etawah, Farrukhabad and Unnao Districts.
		8. All Conciliation Officers and Labour Officers appointed in the Office of the Regional Deputy Labour Commissioner, Allahabad Region, Allahabad.
		Allahabad Region which includes Allahabad and Fatehpur Districts.

1

2

9. All Conciliation Officers Meerut Region which and Labour Officers includes Meerut, Muzaffarnagar appointed in the Office of the Regional Deputy Districts. Labour Commissioner, Meerut Region, Meerut.

10. All Conciliation Officers Agra Region which includes and Labour Officers Agra, Aligarh, Mathura, appointed in the office of Mainpuri and Etah Districts. the Regional Deputy Labour Commissioner Agra Region, Agra.

11. All Conciliation Officers Bareilly Region comprising and Labour Officers3 Bareilly, Badaun, Pilibhit appointed in the Office of and Shahjahanpur Districts. the Regional Deputy Labour Commissioner, Bareilly Region, Bareilly.

12. All Conciliation Officers Lucknow region comprising and Labour Officers Lucknow, Hardoi Lakhimpur Kheri, Rae Barelli and Sitapur Districts. the Regional Deputy Labour Commissioner, Lucknow Region, Lucknow.

13. All Conciliation Officers Gorakhpur Region comprising and Labour Officers, sing Gorakhpur, Basti, appointed in the office of3 Deori and Azamgarh the Regional Deputy Districts. i Labour Commissioner Gorakhpur Region, Gorakhpur.

14. All Conciliation Officers Ghaziabad Region Comprising and Labour Officers sing Ghaziabad and Bulandshahar Districts. the Regional Deputy Labour Commissioner Ghaziabad Region,i Ghaziabad.

15. All Conciliation Officers Garhwal Region comprising and Labour Officersf sing Dehra Dun, Chamoli app ol nited in the office of3 Garhwal Pauri Tehri the Regional Deputy3 Garhwal and Uttarkashi Labour Commissioner,3 Districts. Garhwal Region, Dzhra Dun.

16. All Conciliation Officers, Kumaun Region comprising and Labour Officers ap- Nainital, Almora and pointed in the Office of Pithoragarh Districts. the Regional Deputy Labour Commissioner, Kumaun Region, Haldwani Nainital.

17. All Conciliation Officers Varanasi Region comprising and Labour Officers ap- Varanasi, Gazipur, Balia pointed in the office of the and Jaunpur Districts. Regional Deputy Labour Commissioner, Varanasi Region, Varanasi.

1

2

18. All Conciliation Officers Moradabad Region comprising and Labour Officers sing Moradabad, Rampur appointed in the office and Bijnor Districts. of the Regional Deputy Labour Commissioner, Moradabad Region, Moradabad.

19. All Conciliation Officers Faizabad Region comprising and Labour Officers ap- Faizabad, Bahraich, pointed in the office of the Barabanki, Gonda, Pratapgarh and Sultanpur Districts. Regional, Faizabad.

20. All Conciliation Officers Jhansi Region comprising and Labour Officers ap- Jhansi, Lalitpur, Banda pointed in the office of the Humirpur and Jalaun Distt. Regional, Jhansi.

21. All Conciliation Officers Mirzapur Region comprising and Labour Officers ap- Mirzapur District only. pointed in the office of the Regional Deputy Labour Commissioner, (Pipri) Mirzapur Region Mirzapur.

[F.N.O. S-51011/2/87-D-1(A)(i)]  
NAND LAL, Under Secy.

मई दिनों, 29 जून 1987

का.आ. 1819.—स्रोतांशुक्रियक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) को धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, गोविन्दपुर कालयरी, मैसर्स भारत कार्किंग कोले. लि. के प्रबन्धनत्व के मम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनवश्य में निर्दिष्ट स्रोतांशुक्रियक विवाद में केन्द्रीय सरकार औरोगिक स्थिकरण, संख्या 1, धनबाद के पंचाट का प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16 जून, 1987 का प्राप्त हुआ था।

New Deilh, the 29th June, 1987

S.O. 1819.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Govindpur Colliery of M/s Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT  
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of  
the Industrial Disputes Act, 1947  
Reference No. 65 of 1983

PARTIES :

Employers in relation to the management of Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer

## APPEARANCES :

For the Employers : Shri B. John, Advocate.

For the Workmen : None

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated, the 30th May, 1987

## AWARD

By Order No. L-20012(133)83-D.III(A) dated, the 13th September, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by Clause (d) of Sub-Section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication --

"Whether the demand of the workmen of Govindpur Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited for promotion of Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee, Grade-II Clerks, as Grade-I Clerks from the date of promotion of workmen junior to them is justified? If so, to what relief are the two said workmen entitled and from what date?"

2. The case of the concerned workmen, namely, Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee is as follow :

Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee are workmen of Govindpur Colliery of M/s B.C.C. Ltd. They were working as Grade-II Clerks in the said colliery. It is alleged by them that even though both of them were fit for promotion to the post of Grade-I Clerks, they were not promoted to that cadre. Even so some hands were promoted and they were superseded. In the circumstances the present reference has arisen

3. The Management in its written statement, has taken the position that promotion is a matter which is within exclusive jurisdiction of the management and no workman can demand his promotion as of right. It is the further case of the management that it formulated a promotion policy for effecting promotion of Clerical staff from one grade to next higher grade on the basis of recommendations of Departmental Promotion Committee. The Departmental Promotion Committee is constituted at intervals of time for selection and recommendation of candidates for promotion to higher post according to the need of the management. Since the concerned workmen were not cleared by the Departmental Promotion Committee, they were not promoted to the post of Grade-I Clerks from Grade-II. It is asserted that the concerned workmen made confusion between the cases of regularisation with the cases of promotion. When any workman works in some higher post on permanent basis for a long period, he is regularised in that post and the promotion is affected on the basis of recommendations of Departmental Promotion Committee post of Grade-I Clerks with effect from 1-5-1983 on the post of Grade-I Clerks with effect from 1-5-1983 on the recommendations of Departmental Promotion Committee and in the circumstances it has been prayed by the management that the present reference case be disposed of holding that the concerned workmen are not entitled to any relief.

4. Admittedly both the workmen, namely, S/ Shri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee are employed in Govindpur Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. Earlier they were employed as Grade-II Clerks. Their case is that they were ignored by the management in so far as their promotion to the post of Grade-I Clerks is concerned and were superseded by two other junior hands. The case of the management is that the matter of promotion is exclusively preserve of the management and that no workman can demand promotion as a matter of right. It is the further case of the management that promotion policy has been formulated for affecting promotion of clerical staff from one grade to next higher grade on the basis of recommendations of the Departmental Promotion Committee and that since the concerned workmen were not cleared by the Departmental Promotion Committee they were not promoted to Grade-I from Grade-II. However, the management has since promoted both the concerned

workmen to the post of Clerical Grade-I with effect from 1-5-1983 on the basis of recommendations of Departmental Promotion Committee.

5. The workmen concerned have not appeared and adduced any evidence at the time of trial in support of their case. On the other hand, the management has adduced evidence and examined Sri K. N. Gupta, Personnel Manager of Katras Area of M/s. B.C.C. Ltd as MW-1 and introduced some documentary evidence which have been marked Exts. M-1 and M-1/1. Sri K. N. Gupta has stated in his evidence that he is at present working in Katras Areas of M/s. B.C.C. Ltd and that he worked in Govindpur Area as Deputy Personnel Manager from April, 1982 to August, 1985. He has emphatically stated that it is a policy decision of the management to promote from Grade-II Clerks to Grade-I Clerks on the basis of the recommendations of Departmental Promotion Committee, and that the Departmental Promotion Committee, in its turn, considers for promotion of a candidate the date of his joining service, qualification, service records and efficiency. He has also stated that the concerned workmen were not cleared by Departmental Promotion Committee for promotion to Grade-I Clerks in January, 1983. This evidence of his is supported by letters both dated 22-8-1983 (Exts. M-1 and M-1/1) issued to the concerned workmen by the then General Manager of Govindpur Area stating that both of them have been promoted to Clerk, Grade-I with effect from 1-5-1983 on the recommendations of Departmental Promotion Committee. This being the evidence it can be safely concluded that the concerned workmen could not justify their claim for promotion to Clerks Grade-I from any date earlier to that on which they were promoted to the said grade. Considering facts and circumstances of the case I come to the inescapable conclusion that the action of the management with regard to the promotion of these workmen concerned is justified and the demand of the concerned workmen is not.

6. Accordingly the reference case is disposed of. It is hereby held that the demand of the workmen of Govindpur Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited for promotion of Sarvashri Shyamal Banerjee and Dhananjay Banerjee, Grade-II Clerks as Grade-I Clerks from the date of promotion of workmen junior to them is not justified. In the circumstances of the case parties are to bear their costs.

S K MITRA, Presiding Officer

[No L-20012(133)83-D. III (A)]

का.प्रा 1820 --प्रौद्योगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के प्रावधान में केंद्रीय सरकार, कर्तीवीरी कौलयरी, मैसेंजर कौलिंग कार नियोजित के राज्यों ने ग्रामीण नियोजनों प्रौद्योगिक कार्यकारी के बीच, अन्तर्ब्रज में नियिल प्रौद्योगिक विवाद में केंद्रीय सरकार प्रौद्योगिक प्रधिकरण, मंड्या 1, धनबाद के विवाद को प्रकाशित करनी है, जो केंद्रीय सरकार को 17 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O 1820 —In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal No 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kooridih Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947.

Reference No 32 of 1983

## PARTIES :

Employers in relation to the management of Kooridih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen.

## PRESENT :

Shri S. K. Mitra.

Presiding Officer:

Reference No. 32/83

## APPEARANCES :

For the Employers.—Shri G. Prasad, Advocate.  
For the Workmen.—None.

STATE : Bihar.

Industry : Coal.

Dhanbad, dated, the 8th June, 1987

## AWARD

The present reference arises out of Order No. L-20012-(230)/82-D.III(A) dated, the 29th April, 1983 passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :—

"Whether the demand of Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh, Dhanbad for reinstatement of the 23 workers listed in the Annexure below in the Koordih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited is justified ? If so, to what relief are the concerned workmen entitled ?"

## ANNEXURE

1. Budhu Majhi.
2. Jethu Majhi.
3. Chura Majhi.
4. Purna Majhi.
5. Hiraman Majhi.
6. Sukra Majhi.
7. Dargu Majhi.
8. Churka Majhi.
9. Bhaglu Majhi.
10. Bhodia Majhi.
11. Somra Majhi.
12. Chunnu Majhi.
13. Majhla Majhi.
14. Daban Majhi.
15. Bhuma Majhi.
16. Nanak Majhi.
17. Sona Majhi.
18. Sitaram Majhi.
19. Khai Majhi.
20. Babu Majhi.
21. Nanulal Majhi.
22. Rameshwar Majhi.
23. Hariram Rajwar.

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
(No. L-20012/230/82-D.III(A))

## ANNEXURE

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

Employers in relation to the Management of Koordih Colliery.

## AND

Their workmen represented by Secretary, R.C.M.S., Dhanbad.

Whereas the Government of India, Ministry of Labour referred the above dispute to Central Government Industrial Tribunal No. I for adjudication.

Whereas the parties mutually agreed to settle the dispute on the following terms and conditions :—

## Terms and Conditions :

1. That the individual concerned will not be more than 45 years of age on the date of signing this settlement.
2. That individuals will be medically fit for undertaking job as miner/loader. (The list enclosed)
3. That each have to give proper identification/proof about their identity and past employment.
4. That the workmen shall be allowed to resume duty as Miner/Loader.

The Hon'ble Tribunal may therefore, give his Award on the above terms and conditions to which both parties agreed mutually.

## For Employers :

(S. B. RAI),  
General Manager,  
Govindpur Area.

For Union :  
(G. D. PANDEY),  
Joint General Secretary,  
R.C.M.S.

## Part of the Award

## KOORIDIH COLLIERY

Budku Majhi &amp; 22 others

S.No.	Name	Father's Name	Date of Appt.	I.D. Card No.
1	2	3	4	5
1.	Budhu Manjhi	Dhani Manjhi	1-1-1973	211894/ML
2.	Lodha Manjhi	Barke Manjhi	1-1-1973	211884/ML
3.	Dawan Manjhi	Sukhu Manjhi	1-1-1973	211028/ML
4.	Majhlu Manjhi	Jaga Manjhi	1-1-1973	211875/ML
5.	Purna Manjhi	Chhoto Manjhi	-do-	211944/ML
6.	Durgu Manjhi	Sudhana Manjhi	-do-	211899/ML
7.	Mankhu Manjhi	Fagu Manjhi	-do-	211905/ML
8.	Suha Manjhi	Dukhua Manjhi	-do-	212023/ML
9.	Sitaram Manjhi	Churka Manjhi	-do-	212025/ML
10.	Chodwla Manjhi	Jasoya Manjhi	-do-	212014/ML
11.	Dhuma Manjhi	Sukhu Manjhi	-do-	211897/ML
12.	Jattu Manjhi	Bhagat Manjhi	-do-	211871/ML
13.	Kharo Manjhi	Chhotu Manjhi	-do-	211898/ML
14.	Babu Manjhi	Jagdish Manjhi	-do-	211903/ML
15.	Nunulal Marjhi	Ckottu Manjhi	-do-	211901/897) ML

1.	2	3	4	5
16.	Rameshwar	Jagdish Manjhi	1-1-1973	212024/ML
		Manjhi		
17.	Hiraman Manjhi	Mejhlu Manjhi	-do-	212022/ML
18.	Chunu Manjhi	Raje Manjhi	-do-	211995/ML
19.	Somra Manjhi	Barku Manjhi	-do-	211885(890) ML
20.	Sukra Manjhi	Mahjhlo Manjhi		211826/ML
21.	Majhlu Manjhi	Jagu Manjhi	-do-	211891/ML
22.	Churka Manjhi	Barku Manjhi	-do-	211871/ML
23.	Hariram Rajwar	Late Bistu Rajwar	4-10-71	21284/ML

का.आ. 1821.—श्रीयोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्राप्त 17 के अन्तर्गत मे, केंद्रीय गवर्नर, जमादोबा कोलियरी, मिस्टर टाटा अंग्रेज एंड संस्टर्न एंड नियोड, के प्रबन्धन के सम्बद्ध श्रीयोगिक और उनके कर्मजारी के बीच प्रयुक्ति में नियोगिक विवाद में केंद्रीय गवर्नर सर्वोच्च अधिकार सभा 2. अन्वाद के प्राप्त पूर्ण प्रतिविन करती है, तो केंद्रीय गवर्नर का 17 अन्वा. 1987 को प्राप्त कुप्राप्त।

S.O. 1821.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of M/s. Tata Iron and Steel Co. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 17th June, 1987.

#### BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO 2) AT DHANBAD

Reference No. 21 of 1985

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Co. Ltd. and their workmen.

#### APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary Janta Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers—Shri S. S. Mukherjee Advocate.

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 9th June, 1987

#### AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (387)/84-D.III (A) dated, the 28th February, 1985.

#### SCHEDULUE

"Whether the action of the management of Jamadoba Colliery of Messrs Tata Iron and Steel Company Limited in terminating the services of Shri Banarsi Ram, Timber Mazdoor with effect from 19th April, 1984 is justified? If not, to what relief the workman is entitled?"

The case of the workman is that the concerned workman Shri Banarsi Ram was working as a Timber Mazdoor at Jamadoba Colliery of M/s. Tisco Ltd. with effect from 1-11-86. He was in the permanent service of Tisco. The Agent of Jamadoba Colliery terminated his services with effect from 19-4-84 on medical ground by letter dated 24/

529 GI/87-7

25-4-84. The management completely ignored the medical certificate of fitness given by Tisco main hospital declaring him fit for duty. The services of the concerned workman was terminated without giving him any opportunity to show cause, produce oral and documentary evidence to rebut or refute the ground of termination. The action of the management in terminating the services of the concerned workman was an arbitrary act on the part of the management and it was in violation of the well accepted principles of natural justice. The total period under which the concerned workman was in medical treatment as indoor patient of the company's hospital at Jamadoba or at Jamshedpur till he was discharged from service did not exceed more than 3 months and 6 days from 13-1-84 to 19-4-84. The management's contention that the medical opinion in respect of the concerned workman was that he was unfit for duty is perverse. The Company's main hospital at Jamshedpur where the concerned workman was sent for further treatment from the Company's Central Hospital at Jamadoba had declared in its certificate given to the concerned workman on 9-4-84 that he was fit for his duty and not that he was medically unfit to do his duty. The statement of the management regarding the state of health and ailment of the concerned workman are false. The termination of the concerned workman's services amounted to his illegal retrenchment without compliance with Section 25-P and 25-N of the I.D. Act. The termination of services of the workman on the ground of medical unfitness is not covered by any of the exceptions in the definition of retrenchment in Section 2(oo) of the I. D. Act. The termination is not covered even by the expression continued ill health under Section 2(oo)(e) of the Act. The period of 3 months during which the concerned workman was under medical treatment cannot constitute a period to justify the contention of the management that the concerned workman was suffering from continued ill health. The management's letter of termination of the services of the concerned workman also does not state that his services were terminated due to his continued ill health. The concerned workman was quite fit for duty and has not suffered from any ailment after his services were terminated. It is prayed on behalf of the workman that the order of termination of the management be set aside and the management be directed to reinstate the concerned workman with full back wages and all consequential benefits from the date of his termination to the date of his reinstatement in service.

The case of the management is that the concerned workman did not represent his alleged grievance either before the Group Grievance Committee or the Central Grievance Committee which consists of equal number of representative of the management and the workmen to look into and redress the genuine grievances of a workman. The concerned workman was appointed as piece rated stone stacker with effect from 1-11-76 and was placed as Cat. I Mazdoor. Thereafter he was promoted as Timber Mazdoor in Cat. II with effect from 21-7-81. The concerned workman was suffering from some ailment. He was admitted in the Tisco's Jamadoba Hospital on 13-1-84 where it was detected that he was suffering from Jacksonian—Epilepsy. The concerned workman had another epileptic fit while he was in Jamadoba hospital. He was given treatment in the hospital and was thereafter referred to Tata Main Hospital at Jamshedpur for further investigation. The diagnosis of Jamadoba Central Hospital regarding the concerned workman was confirmed by the medical board at Tata Main hospital at Jamshedpur and it was found that he was not fit for his original job as Timber Mazdoor in the underground. As the concerned workman was suffering from Jacksonian—Epilepsy which was an incurable disease. He could have sudden attack of the said disease at any time and as such it was considered that to allow the concerned workman continue to work in his original job after the above diagnosis would endanger his life and lives of his fellow workmen. It was on this account that the concerned workman was discharged on medical ground from the company's services with effect from 19-4-84. The diagnosis of epilepsy is considered as a case of continued ill health and it cannot be cured by treatment and a workman suffering from the disease is incompetent to continue in the job for which he was engaged. On the above facts it was submitted on behalf of the workmen that the action of the management in terminating the services of the concerned workman with effect from 19-4-84 is justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

The only point to be decided in this case is whether termi-

nation of the services of the concerned workman with effect from 19-4-84 on the medical ground is justified.

The management examined three witnesses and the workmen examined two witnesses in support of their case. The management produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-7. Only one document was filed on behalf of the workmen which is marked as Ext. W-1.

Admittedly, the services of the concerned workman have been terminated by the management on medical ground with effect from 19-4-84. Ext. M-6 dated 24/25-4-84 is the letter of discharge of the concerned workman issued under the signature of the Agent, Jamadoba Colliery to the concerned workman. It will appear from this letter that the services of the concerned workman was discharged with effect from 19-4-84 on the medical ground. It is further stated that the medical board which examined the concerned workman on 18-4-84 at the Central Hospital, Jamadoba declared him unfit for original job. We have therefore to refer to the opinion of the medical board dated 18-4-84 on the basis of which the concerned workman was discharged from medical ground. Ext. M-1 dated 9-4-84 is the discharge certificate issued by Tisco's hospital at Jamshedpur. It will appear from this discharge certificate that no abnormality was detected and that the advice was that he was fit to duty. Ext. M-2 is the report of the Standing Medical Board dated 19-7-84 issued by the Tisco Jamshedpur medical department. The disease from which the concerned workman was suffering was Jacksonian epilepsy. It shows that the concerned workman was admitted at Tata Medical hospital on 3-4-84. It further shows that the concerned workman was found unfit from 10-7-84 and was still unfit till 19-7-84. It will further show that "in view of the focal fits" he is advised to be away from moving machinery or from underground jobs and is advised to work on surface level non-hazardous job only. Thereafter the recommendation of the board was that he was unfit for his original job and was fit only for a light sedentary job at ground level away from moving machinery outside the works. Ext. M-3 dated 7-8-84 is the report of the Standing Medical Board which has reiterated about the disability and recommendation as stated in Ext. M-2. Ext. M-5 dated 18-4-84 is the certificate issued by Jamadoba Central Hospital, Medical Board. It will show that the case of the concerned workman was a case of epilepsy. It stated that he was on sick report from 13-1-84 and was admitted in T.C.M. Jamadoba where he had another epileptic fit and was referred to Tata Medical Hospital at Jamshedpur for further investigation where the case was diagnosed as Jacksonian epilepsy. It further states that in view of the above he was unfit for underground job. MW-1 Dr. P. Verma is the Asstt. Medical Officer at Tata Main hospital, Jamshedpur. The discharge certificate Ext. M-1 is under his signature. He has stated that he did not know the nature of job of the concerned workman when he had granted the discharge certificate Ext. M-1. On reference to the said certificate it will appear that MW-1 had advised that the concerned workman was fit for duty. Thus this discharge certificate granted by MW-1 cannot support the case of the management for discharge of the concerned workman from service. MW-2 Dr. A. R. N. Prasad is plant medical officer attached to the Tata Main hospital at Jamshedpur. He was one of the member of the board constituted to examine the concerned workman. He has named the other doctors constituting the board who had considered the case of the concerned workman. The report of the medical board containing the signature of all the four members constituting the board is Ext. M-2. He has stated that the diagnosis of the concerned workman was that he was a patient of Jacksonian epilepsy. He has stated that this disease is a continued illness and patient cannot be allowed to work underground because he may have an attack of the disease any moment. In cross-examination he has stated that the concerned workman was admitted in Tata Main Hospital at Jamshedpur from 3-4-84 to 9-4-84 and he was discharged from the hospital on 9-4-84. He has stated that the medical board issued the certificate on 7-8-84. It appears from his evidence that the concerned workman had not appeared before the medical board on 7-8-84 when the medical board issued the certificate dated 7-8-84. He has stated that the board had considered the reports and the findings of the doctor and thereafter the board had given its opinion. He has clearly stated that the concerned workmen had not physically appeared before the medical board. He has also stated that from the records of the hospital at Jamshedpur it did not appear that the concerned workman had any epileptic fit after admission in the hospital at Jamshedpur. It will thus appear

from his evidence that the medical board had given the opinion without examining the concerned workman and that the opinion of the medical board was based on the papers of the hospital in connection with the concerned workman. In the end he has stated that the concerned workman was found unfit for underground only and not for surface work. MW-3 Dr. Y. K. Palewal is another Sr. Physician of Tisco Central Hospital at Jamshedpur. He has stated that the concerned workman was underground worker. He has produced the original case sheet of the concerned workman the photo copy of which has been marked as Ext. M-4. He has stated that while the concerned workman was in the hospital at Jamadoba had a fit of epilepsy and the same is recorded in Ext. M-2. He has stated that in his opinion a workman suffering from epilepsy cannot be allowed to work underground. He has further stated that if epileptic fit is not treated it may give rise to certain complications of his health. He has stated that the concerned workman was examined at Jamadoba by a medical board to find out whether he was fit to work and MW-3 was one of the member of the said board. The finding of the Medical Board at Jamadoba is Ext. M-5. He has stated that the board found that the concerned workman was not fit to work underground. In cross-examination he has stated that Ext. M-1 is the discharge certificate dated 9-4-84 showing that the concerned workman was fit for duty. Thus it appears that although at the time of discharge of the concerned workman from Jamadoba hospital the doctor had found him fit for duty, the doctors subsequently opined that the concerned workman was not fit to work underground. Neither any of the doctors examined on behalf of the management nor any of the document produced on behalf of the management show that the concerned workman was completely unfit to work. It appears that the medical opinion was that as the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy it was not advisable to employ him underground or near the moving machineries. Ext. M-4 which is the medical history report of the concerned workman of Jamadoba Hospital does not show that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy and the said opinion about the Jacksonian epilepsy was based upon the medical papers of the hospital without examining the concerned workman. The opinion of the medical board therefore that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy is not based on the personal physical examination of the concerned workman by doctors constituting the medical board at Jamshedpur or at Jamadoba. However, even accepting the opinion of the medical board that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy, the advice of the medical board was to the effect that he was not fit to work underground or near the moving machines. The medical board in their paper opined that the concerned workman was fit to work on the surface of the mine.

The workmen have examined WW-1 Dr. B. D. Singh a Civil Assistant Surgeon at Habeli Kharagpur. He has stated that the concerned workman was under his treatment from 1-4-85 to 30-12-85 and he did not find the concerned workman suffering from epilepsy. He has further stated that he found the concerned workman fit to work and join his duties as it was not a case of continued ill health. In the cross-examination he has stated that the epileptic fit attack suddenly and that the diagnosis of epilepsy can only be detected by an episode before a trained medical person. It will thus appear that as the concerned workman had no attack of epilepsy in presence of WW-1 it was not possible for him to say that the concerned workman was not suffering from epilepsy. He has stated that an epileptic patient should not be put in employment underground or in front of fire or in any hazardous work. The doctor at Jamadoba in Ext. M-4 had made a note that while the concerned workman was admitted in Jamadoba hospital he had a severe convulsion on 13-1-84 at 6 P.M. Thus the doctor at Jamadoba had found that the concerned workman had a convolution of generalized type while he was admitted in the hospital. It cannot therefore be said that the concerned workman was not suffering from epileptic fits. WW-2 is the concerned workman. He has stated that he was admitted in Jamshedpur hospital for 7 days but during that period he had no attack of epileptic fit. He has also stated that no medical board examined him at Jamshedpur prior to his discharge from service. He has stated that he had been admitted in Jamadoba hospital at Tisco on 13-1-84. He has stated that on 12-1-84 he was on fast in connection with Laxmi Puja and such on 13-1-84 when he was going to join his duty he was about to fall due to weakness but he was caught hold

by his relation and thereafter he was taken to Jamadoba hospital from where he was sent to Jamshedpur hospital. He has denied that he had got any epileptic fit when he was admitted in Jamadoba hospital but this statement of the concerned workman cannot be believed as there is a definite evidence in the case sheet that he had epileptic fit while admitted in Jamadoba hospital and there is no reason to disbelieve the medical record of Jamadoba hospital.

On consideration of the above facts and evidence it may be concluded that the concerned workman had an attack of epileptic fit and I do not find good reason to disbelieve the opinion of the medical board regarding the fact that the concerned workman was suffering from Jacksonian epilepsy. However, the medical board only opinion that the concerned workman was not fit to work underground or near the moving machinery and as such there was no reason for the management to discharge the concerned workman from service. The management could have given an alternative job to the concerned workman on the surface as the concerned workman was not unfit to do any job on the surface. In the above view of the matter I think that the action of the management in discharging the concerned workman from his service and depriving him from his livelihood was not justified. The management has many jobs on the surface in which the concerned workman could have been employed without detriment to the management or the concerned workman.

In the result, I hold that the action of the management of Jamadoba colliery of M/s. Tisco, terminating the services of the concerned workman Shri Benarsi Ram with effect from 19-4-84 is not justified on the medical ground which only opined that he was unfit for underground work or near the moving machine. The management is therefore directed to reinstate the concerned workman with effect from 19-4-84 and to give him an alternative job on the surface away from the moving machine. In view of the fact that the medical board did not opine the concerned workman completely unfit for work, the management is also to pay all his dues which he was entitled from the date of his discharge to the date of his reinstatement. The management is further directed to reinstate the concerned workman within one month from the date of publication of the Award.

Dated : 9-6-1987.

I. N. SINHA, Presiding Officer  
[No. L-20012/387/84-D.III (A)]

का.आ. 1822—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुपर्य में, कृत्रिम लकड़ाग, मुराइदीह प्रौद्योगिक, मैसर्स भारत कोकिंग कॉल लिमिटेड, के प्रबन्धतन्त्र के मन्त्री नियोजकों और उनके कर्मकारों के बाब्त, अनुबंध में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में नवीन भरकार शोदौरिक भार्याकरण, संख्या 1, धनबाद के पक्के को प्रकाशित करती है, जो केंद्रीय सरकार को 16 जून, 1987 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1822.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between employees in relation to the management of Muraidih Project of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 16th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 50 of 1983

#### PARTIES :

Employers in relation to the management of Muraidih Project of Messrs Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their Workmen.

#### PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

#### APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—None.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 29th May, 1987

#### AWARD

By Order No. L-20012(474)/82-D.III (A) dated, the 26th June, 1983, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by Clause (D) of Sub-Section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of Muraidih Project of Messrs Bharat Coking Coal Limited, in first giving group 'D' and after four years service group 'C' to Shri Mohd. Nisar, E.P. Fitter-Cum-Mechanic in terms of Annexure 'B' to Joint Bipartite Committee for Coal Industry, Circular No. CSC/JBCCI/IR/94/IMP/1167 dated 2nd February, 1981 is justified ? If not, to what relief is the workman entitled ?”

2. The facts leading to the present reference is as follows. Md. Nisar, the concerned workman, was appointed by M/s. B.C.C. Ltd. as E.P. Electrical Fitter-Cum-Mechanic in May, 1979 on Excavation Grade 'D'. Subsequently during the period of the conciliation proceeding, the management upgraded him to the post of Excavation Grade 'C'. The Standardisation Committee of Joint Bipartite Committee for the Coal Industry discussed and approved certain unanimous recommendations of the Sub-Committee 'C' in its meeting held on 17-1-1981. As per item No. 8 under Group 'B' of the Annexure 'B' to the JBCCI circular No. CSC/JBCCI/IR/94/IMP/1167 dated 2-2-1981 the following criteria has been fixed for Fitter-Cum-Mechanic to deserve Group 'B'. The guidelines envisage in the criteria is that a highly skilled workman possessing at least 7 years experience in the accurate fitting and assembling of various types of excavating equipments besides general repairs and maintenance thereof is entitled to be placed under Group 'B'. It further envisages that the aforesaid workman should be able to undertake dismantling repairing and overhauling of various types of diesel engines, to diagnose the mechanical faults and rectifying of the same, to read and use instruments for accurate measurement and undertake repairing jobs independently. He should be literate to maintain log books for repairs and maintenance and should understand maintenance charts. It is claimed that by applying above criteria Md. Nisar is entitled to be placed in Excavation Grade 'B' Scale of wages with effect from the date of the JBCCI recommendation as he already possessed more than 20 years experience at the time of appointment; he had acquired knowledge and necessary capabilities. The action of the management in placing him in Excavation Grade 'C' instead of Excavation Grade 'B' Scale of wages admissible to a Fitter-Cum-Mechanic Grade I is not justified.

3. In opposition, the management has contended that Md. Nisar applied for the post of Fitter Grade III corresponding to Fitter Excavation Grade 'D' in consideration of relevant matters including past experience and previous employment. The seniority of all candidates in Grade 'D' is counted from the date they joined their services and their past services in different organisations are not considered for the purpose of seniority in M/s. B.C.C. Organisation. In usual way the case of Md. Nisar was considered for Grade 'C' along with other Grade 'D' workmen in the year 1982. According to norms prescribed by the JBCCI Md. Nisar was found suitable for promotion to Grade 'C' and he was promoted to Grade 'C' in 1982. In the circumstances the management has prayed that an award be passed holding that the concerned workman is not entitled to any relief.

Fitter Grade III (Excavation) by letter of appointment dated 4 Admittedly Md. Nisar was appointed to the post of 29-4-1979 (Ext. M-1). By his letter dated 7-5-1979 (Ext. M-2) to the Personnel Manager, M/s. B.C.C. Ltd., Dhanbad, Md. Nisar accepted the appointment. It has been contended by Md. Nisar that in view of unanimous recommendation of Sub-Committee 'C' on 17-1-1981 of J.B.C.C.L. for the Coal Industry which was approved by Standardisation Committee certain norms were laid down for appointment or promotion to the post of Grade 'B' Scale of wages for Fitter.

Guarantees and that in terms of these norms Md. Nisar is entitled to be placed in Excavation Grade 'B' Scale of wages with effect from the date of present recommendation. This recommendation has not been placed before this Tribunal nor has the workman taken steps to establish his claim that in view of his qualification and experience he is entitled to be placed in Excavation Grade 'B'. On the other hand, the Management has examined Sri M. K. Singh, Deputy Personnel Manager in Govindpuri Area of M/s. B.C.C. Ltd. as MW-I. He testified that he has been looking after the case of the concerned workmen out of which the present reference has arisen. He has further stated that Md. Nisar was already recruited in 1979 and has proved the original letter of appointment issued by the management and accepted by Md. Nisar. His testimony is that at the time of appointment the past experience and previous employment of every applicant is taken into consideration and that was done in the case of Md. Nisar too. His evidence further evidences that regard being had to his qualification and past experience Md. Nisar was appointed Fitter Grade III corresponding to Excavation Grade 'D' and that his seniority in service was taken into consideration from the date of his joining the service of the present management and that he was duly promoted to Grade 'C' in 1982. He has emphatically stated that past experience of any candidate for appointment is considered only at the time of his entry in the service and it is not considered in subsequent promotion to any post after his joining the service for the purpose of seniority. These being the evidence it is evident that regard being had to his past experience and qualification Md. Nisar was appointed to the post of Fitter Grade-III (Excavation) corresponding to Excavation Grade 'D' in May, 1979 and that regard being had to his seniority in service he was promoted to the post of Fitter Grade 'C' (Excavation) in 1982. There is no even a iota of evidence to indicate that Md. Nisar, by virtue of his qualification and experience, is entitled to higher gradation of Group 'B' as claimed by him. That being the position it can safely concluded that the management is justified in giving him initial appointment to Grade 'D' and subsequently to Grade 'C' after four years of service. Accordingly the present reference is disposed of. It is hereby ordered that the action of the management of Muraidih Project of Messis Bharat Coking Coal Limited in first giving Grade 'D' and after four years of service Grade 'C' to Md. Nisar E.P. Fitter-Cum-Mechanic is justified. In the circumstances of the case parties to bear their own costs.

S. K. MITRA, Presiding Officer  
[No. L-20012/474/82-D.III (A)]  
P. V. SREEDHARAN, Desk Officer.

नई दिल्ली, 30 जून, 1987

का. नं. 1823-प्रान्ति, दिनांक अक्टूबर, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार मे, लन्द्राय मरकार, इलाहाबाद बक्से के प्रबन्धन से सम्बद्ध नियोजकों और 'अन्य करनकारी के बान, अनुसरण में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय मरकार औद्योगिक अधिकरण ने दिल्ली के पचाट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय मरकार को 18-6-87 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 30th June, 1987

S.O. 1823.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Allahabad Bank and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th June, 1987.

BEFORE SHRI G. S. KALRA, PRESIDING OFFICER,  
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,  
NEW DELHI

I. D. No. 53/84

In the matter of dispute between :

Shri Bhoora Singh S/o Shri Ajmer Singh, Chowkidar,  
C/o Allahabad Bank, 4th Floor, 17, Parliament  
Street, New Delhi.

Versus

The Regional Manager, Allahabad Bank, Allahabad Bank  
Building, Parliament Street, New Delhi.

APPEARANCES :

Smt. P. S. Mubiedru, Advocate with the workman.  
Shri M. K. Verma—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its Notification No. L-12012/317/83-D.II (A) dated 26th June, 1984 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Allahabad Bank, Regional Office, New Delhi in relation to their Parliament Street, Branch, New Delhi in not properly classifying the leave account of Shri Bhoora Singh, Chowkidar and not releasing his annual grade increments due after the year 1977 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. As this dispute is going to be decided by way of settlement it is not considered necessary to act forth in detail the pleadings of the parties. Suffice it to say that the workman has been in the service of the Management since 10th January, 1965 as a Chowkidar. The case of the workman is that his increments had been withheld after 1977 without any justification and he was entitled to six months medical leave upto 1972 and out of that he had availed of 42 days medical leave and 138 days leave was still at his credit but the Management has wrongly classified his leave according to their own whims and in violation of the leave rules and the leave availed of him was treated as leave without pay and thereby causing him loss of wages. Similarly he had been working on national holidays but neither he was paid any overtime wages nor any compensatory holidays were given to him. He was also not paid bonus amounting to Rs. 750 for the year 1981. Again a sum of Rs. 850 was illegally deducted from his wages for the period 1976 without giving any reasons. A further sum of Rs. 2,250 had been deducted since November, 1983 without any reasons. He was also entitled to 30 days privilege leave in a year but he did not avail of privilege leave in the years 1968, 70, 73, 75 and 76. This leave could not be lapsed as the workman could not avail of the same on account of false stand taken by the Management and when deliberately maintained a wrong record of leave by making forged entries. In this way he is entitled to receive a sum of Rs. 8,350 from the Management.

3. The Management controverted the claim and allegation of the workman and asserted that the leave record has been maintained correctly and no illegal deductions have been made and that whenever the workman performed duty on National Holidays he was paid overtime wages and he was also paid bonus of Rs. 400 on 25-11-82 for the year 1981.

4. On 5-6-87 when the evidence of the Management was being recorded the parties arrived at a settlement. The Management agreed to pay the sum of Rs. 4,000 to the workman in full and final settlement of his claim in the present dispute. This offer was accepted by the workman. Today the amount of Rs. 4,000 has been paid to the workman by cheque. Hence this dispute is disposed of as settled. Workman shall be entitled to Rs. 500 as costs of these proceedings.

Further it is ordered that the requisite number of copies of this Award may be forwarded to the Central Government for necessary action at their end.

Dated : 8th June, 1987.

G. S. KALRA, Presiding Officer  
[No. L-2012/317/83-D.II (A)]  
N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 1 जून 1987

का. नं. 1824- औद्योगिक विवाद अधिकार, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार मे, केन्द्रीय मरकार, टाइरेस्टर आफ

सेल्स, आकाशवाणी, बम्बई, के प्रबंधनन्द से सम्बद्ध नियंत्रणको और अनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्वाचित श्रीयोगिक विवाद से केन्द्रीय संस्कार श्रीयोगिक अधिकारण-1 बम्बई के प्रकाशित करना है, जो केन्द्रीय संस्कार को 11 जून 1987 का प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 1st July, 1987

S.O. 1824.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Director of Sales All India Radio, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 11th June, 1987.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, BOMBAY

Reference No. CGIT-29 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to M/s. All India Radio, Bombay  
AND

Their workmen.

APPEARANCES :

For the employer—Mr. Namjoshi, Advocate.

For the workman—Mr. Gonsalves, Advocate.

INDUSTRY : Broadcasting STATE : Maharashtra  
Bombay, dated the 13th day of April, 1987

AWARD

By an order dated 25th July, 1986, the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, has referred to this Tribunal, the following dispute for adjudication.

"Whether the action of the Director of Sales, All India Radio, Bombay, in terminating the services of Shri M. B. Mathur, Staff Artist, is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. Shri Mukund Biharlal Mathur, was employed as a Staff Artist in the Central Sales Unit of the All India Radio at Bombay. On 25th August, 1979, Shri Mathur addressed a letter (Exhibit M-1) to the Director of Sales with a request that he may be relieved from his duty. This was followed by another letter (Exhibit M-2) dated 3rd September, 1979. By the second letter, Shri Mathur offered to resign and requested that his resignation may be accepted at the earliest and that he may be relieved even before 3rd October, 1979 waiving the notice period. This resignation was accepted by the Director of Sales vide memo dated 7th September, 1979 (Exhibit M-3).

3. It is the case of the workman that he was tricked by the management into resigning. According to him, he was victimised because he had brought to light certain malpractices in the functioning of the All India Radio. The workman contended in his statement of claim that the Administrative Officer, Shri N. K. Saksena had written a novel which he wanted to be made into a film. But he refused to oblige because the novel was substandard and this angered the Administrative Officer. According to the workman, the Director was also unjustifiably annoyed with him because he had exposed the illegal activities of the management, especially the contravention of the rule of the Commercial Broadcasting Code which required that all tapes should be submitted by the advertising concerns at least 20 days in advance of the date of broadcasting. He claimed that the management had tried to pressurise him to bend this rule, but he refused and hence he was victimised. According to him, the Transmission Executive Shri J. P. Sharma and the Deputy Director of Sales, Shri Y. K. Kharat were involved in pressurising him. He claimed that that he had also protested against Mr. Kharat drinking during office hours and behaving badly with the lady em-

ployees. It is his case that he wanted to go to his native place for urgent domestic work, but there was no leave to his credit. Taking advantage of this position, Director of Sales connived with the Deputy Director Shri Kharat, the then Administrative Officer and the then Junior Accountant, Shri Sahani all of whom asked him to submit a letter of resignation which they said would not be accepted, but would be kept secret and torn when he returned from leave. They induced him to trust them and told him that they would look after his interests. According to Shri Mathur, being desperate to somehow proceed to his native place on account of pressing, domestic emergency, he did so replying upon the officer in good faith.

4. In the written statement, the management of All India Radio denied that the services of Shri Mathur were terminated by the management. They maintained that Shri Mathur tendered his resignation on his own and voluntarily and that the case of termination is sought to be made out as an afterthought. According to the management, the reference to malpractices and malfunctioning of All India Radio has no relevance whatsoever to the present dispute. According to them, by his letter dated 25th August, 1979, the workman expressed his earnest desire to be relieved from duty as early as possible as he was facing hardship on account of his requirement to maintain two establishments. He had given good reasons as to why he had given his resignation and the tenor of the resignation did not indicate any basis for the several allegations mentioned in the statement of claim. Moreover the same grounds were reiterated in the letter dated 3rd September, 1979 by which the workman earnestly requested the management to accept his resignation and to relieve him even before 3rd October, 1979 waiving the notice period. According to the management the allegations of illegality and malafide character are brought out by the workman as an after-thought to give a go-bye to his own letter, the contents of which he was well aware before he submitted it to the All India Radio. The management denied that Mr. Saksena or Mr. Prasad had any animus or grudge against the workman. According to the management, the workman was not so highly placed an officer in the organisation to take policy decisions relating to sponsored programmes or Commercial Broadcasting Code. The management contained that the statements made about Mr. Kharat are highly derogatory and baseless. The management denied that the workman was asked to tender his resignation or that he was told that if he would tender the resignation, it would be kept secret and would not be accepted and would be torn when he returned. The management maintained that none of the officers of All India Radio were interested in removing the workman, but he tendered his resignation voluntarily for personal reasons.

5. The workman has categorically admitted that the letters Exhibit M-1 and M-2 were written by him and they bear his signature. According to him he was induced to write these letters by the then Junior Accountant Shri Sahani and other officers of the All India Radio taking advantage of the fact that he was mentally disturbed because he wanted leave urgently to go to his native place, but there was no leave to his credit. In his affidavit filed in lieu of examination-in-chief, he has stated the circumstances in which he was induced and tricked into writing the letters. He has stated as follows :—

"I have pressing problems at my native place. Some boys indulged in serious eva-teasing of my two young sisters of marriageable age while they were pursuing their education. The problem had taken an extremely serious turn and caused a family crisis. As I was their guardian I had to urgently proceed to my native place to sort out the matter. However, when I approached the Director of Sales, Central Sales Unit Mr. S. N. Prasad for leave whereupon he asked me to fill up a leave application which I did. However he refused to sanction the leave but asked me to come next day. When I went next day, the leave application was missing. I have served you the best as I can and now I say that application was deliberately misplaced by Shri Sahani. I was very much mentally disturbed as I had to proceed to my native place

urgently. Taking advantage of my disturbed mental state Shri I. N. Sahani, in league connivance and abetment of Shri S. N. Piasau, N. K. Saksena (Administrative Officer—A.O.), J. P. Sharma (Programme Executive) Y. I. Kharat (Dy. Director or Sales DSS) etc. told to me that there was no need of an application as there was no leave to my credit. However he induced and tricked me into writing a resignation letter which he said would be torn and thrown away as soon as I returned from native place. He said that the resignation letter was just in case any higher officer visited the AIR station and enquired about me. Shri I. N. Sahani said that the Director of Sales and the A.O. had asked him to convey to me about writing a resignation letter. Shri Sahani also said that the Director of Sales (D.S.) would, on receiving my letter ask the A.O. to enquire about reasons for my resignation and thereafter sanction my leave. Thereafter Shri Sahani dictated me a letter and accordingly I wrote the letter dated 25-8-1979 on a paper provided by him which was submitted on the same day with a fresh leave application. However on 1-9-1979 Sahani told me that the D.S. specifically wanted the word resignation in my letter. Again he called me on 2-9-79 and gave me a paper and dictated a fresh letter and said unless I submit this letter my leave would not be sanctioned. Believing him in good faith, I signed the letter dictated by him on 3-9-79 and submitted it on the same day and proceeded to my native place on the same day."

6. In his cross-examination, Shri Mathur has admitted that he knows English and ordinarily he signs documents after reading them and after understanding the contents. He also admitted that when he wrote the letters in question he was aware that he was tendering his resignation. According to Shri Mathur, when he wrote these letters, he did not intend to resign from his service, but he wanted to proceed on leave. It is however, pertinent to note that neither the letter Exhibit M-1 nor the letter Exhibit M-2 contain any prayer for leave. There is absolutely nothing on record to show that any application for leave was given by Shri Mathur either alongwith Exhibit M-1 or with Exhibit M-2 or separately. On the contrary, letters Ex. M-1 and M-2 clearly show his intentions to resign. Even though the letter Exhibit M-1 is not so explicit on this point, the letter Exhibit M-2 leaves absolutely no doubt as to what Shri Mathur intended to do.

7. The letter Exhibit M-1 was addressed to the Director of Sales by Shri Mathur as under :—

"I earnestly request you to kindly relieve me from my duties as early as possible as I am facing very hardship because I have to maintain two establishments in my present salary. I have two young sisters of 20 and 24 years of age at my native place staying along as I have no residential accommodation in this city. Being the eldest in the family I can not overlook my duties towards my family. Time is also not good that I can leave my two young sisters alone at my native place. Sir, I have served you the best as I can and now I request you to very kindly relieve me so that I may be able to fulfill my duties towards my family."

8. Even though it is not specifically mentioned in the letter that Shri Mathur wanted to resign his employment, a person who had animus against Shri Mathur and who was promoted with a desire to throw Shri Mathur out of his employment could have very easily acted on this letter and treating it as a letter of resignation could have accepted it. It is pertinent to note in this context that in the Statement of Claim, Shri Mathur has specifically stated that the Director also had animus against him and that it was he who had connived with Shri Kharat, Shri Sahani and others in order to remove him from service, and that he was one of the officers who had asked him to submit a letter of resignation assuring him that it would not be accepted, but keep secret and torn when he turned from leave. Hence if the Director would have been a party to the alleged fraud, practised on Shri Mathur, he would have acted on this letter Ex. M-1 itself. But he did not do so. On the contrary, he was

not prepared to accept the idea that Shri Mathur wanted to leave the employment, and hence he made the following endorsement on that letter on 31st August, 1979 nearly 6 days after the letter was tendered :—

"A.O."

Does it imply request for transfer on personal grounds? Or what? It may be clarified?"

9. It is in this context that the second letter which leaves absolutely no doubt about the intention of Shri Mathur to resign assumes much significance. This letter Exhibit M-2 was also addressed to the Director of Sales. It reads as follows :—

"I have got certain family problems as mentioned in my application dated 25-8-79 for which my continuance presence is required at my native place. I have therefore no other alternative except to resign the post and I request that my resignation may kindly be accepted w.e.f. 3-10-79. I may further inform that due to my compelling circumstances I request that my resignation may be accepted at the earliest and I may kindly be relieved even before 3-10-79 requesting to waive the notice period."

10. It is after receipt of this letter that the memo Exhibit M-3 was issued on 7th September, 1979 by the Director of Sales. By this memo, the resignation was accepted with effect from 7th September, 1979 (afternoon) waiving notice period as desired by Shri Mathur. By this memo, Shri Mathur was also informed that final settlement of all his dues would be made after he paid a sum of Rs. 1755/65 being the Government liability due from him on account of leave not due granted to him from time to time and for which he had duly given undertaking to pay the amount in case of his resignation. Shri Mathur has categorically admitted in his cross-examination that he took his dues which were paid by cheque and that he accepted the dues without protest.

11. Even though in his application Shri Mathur had stated that he was induced and tricked into writing the letters of resignation by the Director of Sales, the then Administrative Officer, the Deputy Director of Sales Shri Kharat and the then Junior Accountant, Shri Sahani, in his cross-examination he tried to throw the entire blame on Shri Sahani and tried to say that he had complained to the superior officers about the conduct of Shri Sahani in forcing him to write the letter. In fact, in his cross-examination, he gave up his original theory about the assurance that the letter of resignation would not be accepted, but kept secret and torn when he returned from leave and tried to say that Shri Sahani forced him to write the letters. He however, categorically admitted in his further cross-examination that before he filed his affidavit of evidence in this matter, he never gave in writing any complaint against Shri Sahani for forcing him to resign. Shri Mathur claimed that he had complained about the conduct of Shri Sahani to the Director of Sales and that he had requested the Deputy Director General not to accept his resignation. He however admitted that he did so only orally and had not complained in writing to any of the superior officers any time. What is significant is that he did not complain in writing when by the memo dated 7th September, 1979 his resignation was accepted. If, really he was assured that his resignation would not be accepted and would be torn after he returned from leave, he would have certainly complained in writing to the superior officers. His conduct in not doing so speaks volumes against him.

12. Shri Sahani to whom Shri Mathur ascribed a major role in this alleged fraud, stepped in the witness box and emphatically denied the allegations levelled against him by the workman. It is difficult to believe that a person who was merely a Junior Accountant at the material time could have played the role which is sought to be ascribed to him by the workman. It is possible that Shri Mathur might not be satisfied with the working of the All India Radio and had some grievances about some of its officers. But it is difficult to accept the theory that he was victimised for his exposing the malpractices in the All-India Radio and that all the superior officers including the Director of Sales tricked him into writing the letters of resignation. It appears that he is trying to take advantage of his unhappy relationship with his superiors to support his story which is clearly an after thought. It is pertinent to note that Shri Mathur accep-

ted the memo dated 7th September, 1979 and also accepted without the dues paid to him after final settlement of his dues. It is also pertinent to note that he raised the present dispute long time after he ceased to be in the employment. It appears that nearly two years after that he approached the conciliation officer.

13. There is, therefore, no substance in the contention of the workman that the resignation was either induced or forced. It is clear that he resigned his employment voluntarily.

14. Shri Gonsalves, the learned advocate who appeared for the workman tried to contend that in view of the wording of the reference, there was no question of considering the question as to whether the workman had resigned his employment. According to him in view of the wording of the reference, which clearly contemplated termination of service,

the scope of the enquiry is limited. There is no substance in this argument. The reference contemplated adjudication of the termination on the footing that according to the workman, he had no voluntarily resigned but his resignation was induced or forced and hence his services were terminated.

15. In the circumstances, it is held that the workman Shri Mathur voluntarily resigned his employment and that the action of the management in accepting the resignation was legal and valid. Consequently the workman is not entitled to any relief.

16. Award accordingly

M S JAMDAR, Presiding Officer  
[No L 42012/39/80 D II (B)]  
HARI SINGH, Desk Officer

